सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

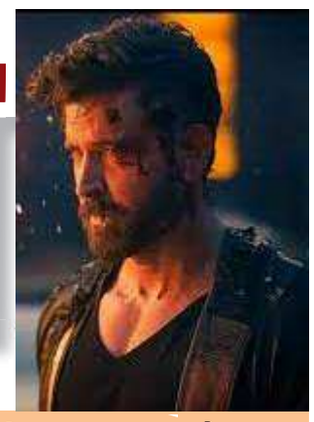

14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, आईपीएल से लेकर इंग्लैंड में मचाई धूम -पेज: 7

वॉर 2 की शूटिंग पूरी होने पर भावुक हुए ऋतिक रोशन..... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 95 | सोमवार 14 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

बिहार वोटर लिस्ट में नेपाल, बांग्लादेश व म्यांमार के लाखों घुसपैठिए !

चुनाव आयोग का खुलासा- लोगों ने राशन कार्ड तक बनवाए

बिहार में मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान में नेपाल बांग्लादेश और म्यांमार के लोगों की बड़ी संख्या में मौजूदगी की जानकारी मिली है।

नई दिल्ली (एजेंसी): बिहार में मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए चुनाव आयोग की ओर से घर-घर जाकर चलाए जा रहे विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान के दौरान बड़ी संख्या में नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के लोग के पाए जाने की जानकारी सामने आयी है। ऐसे लोगों की संख्या लाखों में बताई जा रही है। घर-घर सत्यापन में जुटे बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ)की इस रिपोर्ट के बाद हरकत में आए आयोग ने ऐसे लोगों की जांच के लिए 01 से 30 अगस्त के बीच विशेष अभियान चलाने की तैयारी शुरू कर दी है। यदि ऐसे लोगों के दस्तावेज गलत पाए गए तो 30 सितंबर को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची से इनके नाम हटा दिए जाएगें। फर्जी दस्तावेज भी बनवाए आयोग से जुड़े उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक सत्यापन में लगे बीएलओ से जो जानकारी मिल रही है, उसमें राज्य में रह रहे इन विदेशी नागरिकों में से ज्यादातर ने गलत तरीके से आधार कार्ड, राशन कार्ड व मूल निवासी प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज भी हासिल कर लिए है। आयोग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक ऐसे सभी लोगों की सूची तैयार कराई जा रही है। घर-घर जाकर होगी जांच 1अगस्त से 30 अगस्त के बीच इनकी घर-घर जाकर जांच की जाएगी। यदि इनके दस्तावेज गलत पाए गए तो 30 सितंबर को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची से इनके नाम हटा दिए जाएंगे। सूत्रों की मानें तो शत-प्रतिशत गणना फार्म जमा होने के बाद इनकी संख्या और बढ़ सकती है। 84 प्रतिशत लोगों ने जमा किए गणना फार्म राज्य में मतदाता सूची के सघन सत्यापन मुहिम के बीच 84 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं के गणना फार्म जमा हो चुके है। वैसे भी सत्यापन को लेकर जारी निदेर्शों के तहत 2003 के बाद जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में जुडे हैं, उन सभी मतदाताओं को अपने दस्तावेज 30 अगस्त तक जमा कराने है। क्यों हो रहा है मतदाता पुनरीक्षण? चुनाव आयोग के जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक संविधान के अनुच्छेद -326 के तहत सिर्फ भारतीय नागरिक ही मतदाता बन सकता है। आयोग के पास इसे जांचने का अधिकार है। यदि वह किसी व्यक्ति के दावे संतुष्ट नहीं होता है तो वह उसे मतदाता बनने से रोक सकता है या फिर उसे मतदाता सूची से बाहर कर सकता है। बता दें बिहार में मतदाता सूची के इस विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान को शुरू करने के दौरान ही आयोग ने मतदाता सूची में बड़ी संख्या में विदेशी घुसपैठियों के शामिल होने की आशंका जताई थी। क्या कहता है संविधान का अनुच्छेद 326? लोक सभा व प्रत्येक राज्य की विधान सभा के लिए चुनाव वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे। अर्थात, प्रत्येक व्यक्ति जो भारत का नागरिक है और जो तय की गई तारीख को 18 वर्ष से कम आयु का नहीं है, साथ ही जिसको किसी कानून के तहत गैर-निवास, मानसिक अस्वस्थता, अपराध या भ्रष्ट या अवैध आचरण के आधार पर अन्यथा अयोग्य नहीं किया गया है, किसी भी ऐसे चुनाव में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का हकदार होगा।

लाडली बहना योजना के तहत महिलाओं को रक्षा बंधन पर 250 रुपये का उपहार मिलेगा: मोहन यादव

भोपाल (एजेंसी): लाडली बहना योजना के तहत महिलाओं को रक्षा बंधन पर 250 रुपये का उपहार मिलेगा: मोहन यादव सरकार लाडली बहना योजना के तहत मासिक सहायता को धीरे-धीरे बढ़ाकर 3,000 रुपये करने के लिए प्रतिबद्ध है। एक सरकारी बयान के मुताबिक यादव ने कहा , दिवाली के बाद भाई दूज (23 अक्टूबर) तक मासिक सहायता 1,250 रुपये से बढ़ाकर 1,500 रुपये कर दी जाएगी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को कहा कि राज्य में लाडली बहना योजना की लाभार्थी करीब 1.27 करोड़ महिलाओं को राखी उपहार के रूप में 250 रुपये मिलेंगे और अक्टूबर से उनकी मासिक सहायता राशि बढ़ाकर 1,500 रुपये कर दी जाएगी। फिलहाल इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को 1250 रुपये प्रतिमाह मिलते हैं। यादव ने घोषणा की, रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के बीच अटूट प्रेम का प्रतीक है...नौ अगस्त को राखी है और भाइयों के लिए अपनी बहनों को उपहार देना उचित ही है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि स्नेह के प्रतीक के रूप में हर लाडली बहना (नौ अगस्त से पहले) तक 250 रुपये पहुंच जाएं। वह उज्जैन जिले के नलवा गांव में आयोजित एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहां विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को वित्तीय सहायता वितरित की गई।

'मराठी नहीं बोलूंगा', महाराष्ट्र में भाषा को लेकर फिर बवाल, ऑटो ड्राइवर के साथ एमएनएस-शिवसेना कार्यकर्ताओं ने की मारपीट

महाराष्ट्र (एजेंसी): महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार इलाके में हिन्दी बोलने वाले एक ऑटो ड्राइवर के साथ कुछ लोगों ने मारपीट की। इस घटना के पीछे की वजह सिर्फ यह थी कि ऑटो चालक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा था- "मैं हिन्दी बोलूंगा"। शख्स का वीडियो वायरल होने के बाद शिवसेना (उद्धव गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के कार्यकर्ताओं ने मिलकर उसके साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया। सोशल मीडिया पर वीडिया हुआ वायरल दरअसल, कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक व्यक्ति भावेश पडोलिया और एक ऑटो रिक्शा चालक के बीच बहस हो गई थी। जब भावेश ने ऑटो चालक से पूछा कि वह मराठी में बात क्यों नहीं कर रहा है, तो चालक ने कहा, "मैं हिन्दी बोलूंगा, भोजपुरी बोलूंगा, मराठी नहीं।" इस वीडियो के वायरल होने के बाद शनिवार को शिवसेना (यूटीबी) और मनसे के कुछ कार्यकर्ताओं ने विरार स्टेशन पर उस ड्राइवर को पहचानकर घेर लिया और सबके सामने उस पर थप्पड़ बरसाए। इस घटना में महिलाएं भी शामिल थीं शिवसेना नेता का बयान घटना के वक्त शिवसेना (यूटीबी) के विरार शहर प्रमुख उदय जाधव भी मौके पर मौजूद थे। उन्होंने मीडिया से कहा, "अगर कोई महाराष्ट्र, मराठी भाषा या मराठी मानुष का अपमान करेगा तो उसे शिवसेना वाले जवाब देना जानते हैं।" उन्होंने कहा कि इस ड्राइवर ने मराठी अस्मिता का अपमान किया है इसलिए हमने उसे सिखाया कि महाराष्ट्र में रहकर ऐसी बातें नहीं चलेंगी। उसे माफी मांगनी ही पड़ी। इस मामले को लेकर पुलिस ने अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की है। पालघर पुलिस का कहना है कि हमें वीडियो मिला है और हम तथ्यों की जांच कर रहे हैं, लेकिन अब तक किसी भी पक्ष ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है। भीड़ ने की मारपीट हालांकि, सोशल मीडिया पर वायरल वीडिया में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह से एक व्यक्ति के साथ भीड़ ने मारपीट की और उसे अपमानित किया। यह पहली बार नहीं है जब महाराष्ट्र में भाषा को लेकर हिंसा हुई है। 1 जुलाई को ठाणे में मनसे कार्यकर्ताओं ने एक स्ट्रीट फूड वेंडर को थप्पड़ मारा था क्योंकि वह मराठी में बात नहीं कर रहा था।

पुलिस कस्टडी में गार्ड की मौत का मामला गरमाया, सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरे एक्टर थलपति विजय

चेन्नई (एजेंसी): पुलिस कस्टडी में गार्ड अजीत कुमार की मौत के बाद तमिलनाडु में सियासी बवाल मच गया है। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष और अभिनेता से नेता बने थलपति विजय ने आज सार्वजनिक प्रदर्शन की मांग की है। नई पार्टी लॉन्च करने के बाद यह थलपति विजय का पहला धरना प्रदर्शन होगा। यह मामला तमिलनाडु के शिवगंगा जिले का है। यहां के मदापुरम मंदिर में काम करने वाले अजित कुमार को पुलिस ने पिछले महीने हिरासत में ले लिया था। सलाखों के पीछे अजीत को इतना प्रताड़ित किया गया कि उसने दम तोड़ दिया। 20 को रिपोर्ट सौंपे सीबीआई : हाईकोर्ट स्थानीय सेशन कोर्ट ने अजीत की गिरफ्तारी को अवैध करार दिया है। वहीं मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने भी मामले की जांच सीबीआई को सौंपी है। मद्रास हाईकोर्ट ने सीबीआई को फाइनल रिपोर्ट जमा करने के लिए 20 अगस्त तक का समय दिया है। दबाव में आकर तमिलनाडु सरकार ने भी यह केस सीबीआई को सौंप दिया है। सीबीआई ने शुरू की जांच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अजील के परिवार से माफी मांगते हुए सीबीआई को जांच के आदेश दिए हैं। सीबीआई ने निकिता को भी गिरफ्तार कर लिया है, जिसने अजीत के खिलाफ गहने चोरी होने की झूठी शिकायत दर्ज करवाई थी। डीएसपी सस्पेंड और 5 पुलिसकर्मी गिरफ्तार मामले पर संज्ञान लेते हुए शिवगंगा पुलिस थाने के 5 पुलिसकर्मियों को हिरासत में लिया गया है। डीएसपी को सस्पेंड कर दिया गया है और एसपी को भी अनिवार्य प्रतीक्षा में रखा गया है। वहीं, अब टीवीके अध्यक्ष थलपति विजय ने हाईकोर्ट से रक्ळ के गठन की मांग की है। अजीत का परिवार भी इस प्रदर्शन में शामिल हो सकता है। बीते दिन विजय ने अजीत के परिवार से मुलाकात की थी। थलपति विजय की एंट्री के मायने बता दें कि 2026 में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में थलपति विजय ने खुद को टीवीके के सीएम चेहरे के रूप में प्रस्तुत किया है। जाहिर है यह धरना प्रदर्शन विजय को सियासत में नई पहचान दिलाने में मददगार हो सकता है। विजय ने बीजेपी समेत अन्य पार्टियों के साथ गठबंधन के दावों को भी सिरे से खारिज कर दिया है, जिससे तमिलनाडु की जनता का उन्हें बड़ा समर्थन मिल सकता है।

'हिन्दी में बात करूं या मराठी बोलूं?' उज्ज्वल निकम को आया पीएम मोदी का फोन; राज्यसभा के लिए नामित होने पर दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देश के चार जाने-माने लोगों को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है। इसमें चर्चित सरकारी वकील उज्ज्वल निकम का भी नाम शामिल है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार देर रात जारी नोटिफिकेशन में बताया कि राष्ट्रपति ने चार लोगों को नामित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा के लिए नामित हुए सभी चार सदस्यों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कानूनी क्षेत्र और संविधान के प्रति उज्जवल निकम के समर्पण को अनुकरणीय बताते हुए एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि वह न सिर्फ एक सफल वकील रहे हैं, बल्कि महत्वपूर्ण मामलों में न्याय दिलाने में भी सबसे आगे रहे हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर किया पोस्ट पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, "अपने पूरे कानूनी करियर के दौरान उज्ज्वल निकम ने हमेशा संवेधानिक मूल्यों को मजबूत करने और आम नागरिकों के साथ हमेशा सम्मान के साथ व्यवहार करने का काम किया है।" उन्होंने लिखा, "यह खुशी की बात है कि भारत की राष्ट्रपति ने उज्जवल निकम को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है। उनके संसदीय कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं।" पीएम मोदी ने निकम को किया फोन पीएम मोदी ने उज्ज्वल निकम को फोन करके भी शुभकामनाएं दी है। इसकी जानकारी देते हुए सरकारी वकील ने बताया, "मुझे मनोनीत करने के लिए मैं राष्ट्रपति का शुक्रिया अदा करता हूं। जब मैं लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान पीएम मोदी से मिला था, उन्होंने मुझ पर अपना भरोसा जताया था। कल पीएम मोदी ने मुझे मेरे नामांकन की जानकारी देने के लिए फोन किया था।" कसाब को फांसी की सजा दिलाने में निभाई अहम भूमिका बता दें, उज्ज्वल निकम काफी मशहूर सरकारी वकील हैं

बिहार चुनाव से पहले सीएम नीतीश का बड़ा दांव, 5 साल में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का किया ऐलान

बिहार (एजेंसी): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को कहा कि बिहार सरकार अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि अगले पांच वर्षों (2025-2030) में युवाओं को स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने के वास्ते कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए राज्य सरकार जननायक कपूर्री ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना करेगी। इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कुमार की यह घोषणा महत्वपूर्ण है। एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार सुबह सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अगले पांच साल में (2025 से 2030) वर्ष 2020-25 के लक्ष्य को दोगुना करते हुए एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया जा रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निजी विशेषकर औद्योगिक क्षेत्रों में भी नौकरी एवं रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे। इसके लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जा रहा है।" उन्होंने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि राज्य में अब तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और लगभग 39 लाख लोगों को रोजगार दिया जा चुका है तथा 50 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी/रोजगार देने के लक्ष्य को निश्चित रूप से प्राप्त कर लिया जाएगा।" मुख्यमंत्री ने कहा कि ह्यसात निश्चय' कार्यक्रम के तहत राज्य के युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जा रहा है। नीतीश कुमार ने कहा, अगले पांच वर्षों में युवाओं के कौशल विकास के लिए ह्यसात निश्चय' के तहत जारी कार्यक्रम को विस्तारित किया जाएगा। आने वाले समय में कौशल विकास के लिए एक कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी, जिसका नाम बिहार के गौरव भारत रत्न जननायक कपूर्री ठाकुर जी के नाम पर जननायक कपूर्री ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय रखा जाएगा ताकि राज्य के युवाओं को कौशल विकास की नयी दिशा मिल सके।" उन्होंने कहा कि 2005 से 2020 के बीच बिहार के आठ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने कहा, युवाओं को सरकारी नौकरी तथा रोजगार उपलब्ध कराने की गति को और तेज करने के लिए, 2020 में सुशासन के कार्यक्रम ह्यसात निश्चय-2' के तहत हमने 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और 10 लाख लोगों को रोजगार देने का संकल्प लिया था। बाद में, इस लक्ष्य को बढ़ाकर अगस्त 2025 तक 12 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और 38 लाख लोगों को रोजगार का लक्ष्य कर दिया गया।"

सीएम ने ली विकास कार्यों की समीक्षा बैठक, कैथल नगर परिषद के एक्सईएन, पूंडरी व सीवन पालिका सचिवों पर गिरी गाज

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कैथल में अधिकारियों की बैठक में पांच अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश जारी किए हैं। इन अधिकारियों में एक्सईएन नगर परिषद कैथल, नगर पालिका पूंडरी व नगर पालिका

कैथल (एजेंसी): मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कैथल में अधिकारियों की बैठक में पांच अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश जारी किए हैं। इन अधिकारियों में एक्सईएन नगर परिषद कैथल, नगर पालिका पूंडरी व नगर पालिका सीवन के सचिव, ढांड मार्केट कमेटी सचिव व नगर पालिका पूंडरी के म्यूनिसिपल इंजीनियर शामिल हैं। इन अधिकारियों में एक्सईएन सहित नगर पालिकाओं के सचिवों के अधीन क्रमशः 864 दिन, 211 दिन व 191 दिनों से विकास कार्यों के लिए टेंडर लगाकर आगामी कार्रवाई न करने पर लापरवाही बरतने पर मुख्यमंत्री ने कार्रवाई के आदेश दिए हैं। इसके अलावा ढांड मार्केट कमेटी सचिव पर एक शिकायतकर्ता की सुनवाई न करने की लापरवाही पर कार्रवाई के आदेश दिए हैं। पीड़ित व्यक्ति अपनी शिकायत लेकर मुख्यमंत्री के पास चंडीगढ़ पहुंचा था। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने बैठक में जिले में विभिन्न गांवों व शहरों में सड़कों के खराब हालत के फोटो दिखाकर अधिकारियों से एक-एक जवाब लिया। जिसमें लोक निर्माण, मार्केटिंग बोर्ड व स्थानीय निकाय के अधिकारियों को सुधार के सख्त निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि सभी अधिकारी अपने कार्यालयों से बाहर निकल कर एक-एक सड़क की जांच करें। जहां भी गड्ढा दिखे, उसे तुरंत भरवाएं। अगर लोगों की सड़कों के संबंध में गड्ढों की शिकायत पहुंची तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीएम ने डीसी को सभी विभागों द्वारा लगाए गए टेंडरों की रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए ताकि पता लगाया जा सके कि किस विभाग में टेंडर कब से लंबित है। साथ ही सड़कों की रिपोर्ट भी तैयार करने के निर्देश दिए। सीएम ने गांव जाखौली में सड़क पर आ गए तालाब के पानी, फरल पीएचसी के निर्माण में देरी, गुहला में माइनर मुरम्मत संबंधी टेंडर, करोड़ा गांव की सड़क व तालाब, ढांड रविदास धर्मशाला रोड, चंदाना गेट पर खराब पड़े शौचालयों, कलायत बस अड्डे पर बनाए गए शौचालय, करोड़ा से रमाना सड़क के फोटो दिखाकर अधिकारियों से एक-एक जवाब लिया। साथ ही सख्त लहजे में निर्देश दिए कि इन सभी को तुरंत दुरुस्त करें। मुख्यमंत्री ने शहर में लंबे समय से लंबित कार्य सिटी स्कवेयर का फिर से टेंडर करके काम पूरा करने के निर्देश दिए।

इसके साथ-साथ शहर में मल्टीपर्पज पार्किंग को पीपीपी मोड पर जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। वक्फ बोर्ड संबंधी शिकायत पर सीएम ने प्रदेशस्तरीय समिति के माध्यम से समाधान के निर्देश दिए। इसके साथ-साथ उन्होंने ग्योंग ड्रेन को कवर करने या इसमें बड़े पाइप डालकर काम पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही राजौंद महिला कॉलेज के भवन को पांच एकड़ भूमि में ही बहु मंजिला बनाए जाने के निर्देश दिए और कहा कि इसके लिए सरकार ने नियमों में छूट दे दी है। सीएम ने महर्षि वाल्मीकि विश्वविद्यालय के लंबित कार्य को जल्द पूरा करने के साथ-साथ इसके बीच में से गुजर रही ड्रेन के सौंदर्यकरण व इसके ऊपर से रास्ता देने के लिए अलग से टेंडर लगाने के निर्देश दिए।

संपादकीय

सही हो नीयत

आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए दक्षिण एशियाई देशों के दरम्यान क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता पर विशेषज्ञों ने जोर दिया। नेपाल अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं सहभागिता संस्थान की तरफ से आयोजित ह्यदक्षिण एशिया में आतंकवाद : क्षेत्रीय शांति व सुरक्षा के लिए चुनौतियांह्न विषयक संगोष्ठी में यह कहा गया। सीमापार आतंकवादी गतिविधियां रोकने, धनशोधन पर अंकुश लगाने के साथ ही दक्षिण एशिया के आतंकवादी कृत्यों की निंदा की गई। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों के नेपाल को पारगमन के तौर पर प्रयोग करने पर भी चिंता व्यक्त की गई। आतंकवाद केवल एशियाई देशों की विकराल समस्या नहीं है। यह वैश्विक संकट है। ताकतवर देशों से ऐसी नीतियां लागू करने को कहा जा रहा है, जिनके बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवादी संगठनों से निपटा जा सके। आतंकवादियों के हमले दिनोंदिन घातक होते जा रहे हैं। वे न केवल तकनीकी और अत्याधुनिक प्रशिक्षण देते हैं, बल्कि संगठित रूप से नौजवानों को बरगला कर संगठन में शामिल करते हैं। वैश्विक स्तर पर किए गए अध्ययन मानते हैं कि बीते छह सालों में आतंकवादी घटनाओं में 32% इजाफा हुआ है। अकेले 2021 के दौरान दुनिया भर में पांच हजार से ज्यादा आतंकी घटनाएं दर्ज की गई जिनमें हजारों मासूम जानें तो जाती ही हैं, दहशत की माहौल भी बढ़ता है। ढेरों परिवार उजड़ जाते हैं। 2018-21 के दरम्यान अकेले भारत में आठ हजार के करीब जान गई। दक्षिण एशियाई देश यूं भी आर्थिक तौर पर समृद्ध नहीं हैं। यहां सीमापार उग्रवाद को रोकना बड़ी चुनौती है। खासकर भारत के लिए पाकिस्तान जैसे मुल्क में चल रहे आतंकी संगठनों से बड़ा खतरा है, जो बड़ी संख्या में आर्तकियों को घुसपैठ कराने का जाल मजबूत करता रहता है। भूलना नहीं चाहिए कि आर्तकियों को कानूनी भय नहीं दिखाया जा सकता। उसके लिए बगैर किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के सेना व स्थानीय पुलिस को काम करने की आजादी दी जानी जरूरी है। धनशोधन को लेकर भी पर्याप्त सतर्कता जरूरी है। जब तक आर्तकियों को मिलने वाली आर्थिक मदद की कड़ी नहीं तोड़ी जाती, उनके हौंसले परास्त करने में दिक्कत आती रहेगी। आतंकवादियों के प्रत्यर्पण को लेकर भी दुनिया भर की सरकार को आपसी सहमति व लचीलेपन का रुख इख्तियार करना होगा।

चिंतन-मनन

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देंखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें। कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो।...

प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है। भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अतः हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं। श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमसः परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है।
वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है।
वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अतः मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अतः इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

आइजोल को आजादी के 75 साल बाद ट्रेन की मिलेगी सौगात

विनोद कुमार सिंह

आजादी के 75 साल बाद ट्रेन की सौगात जल्दी ही मिलने जा रही है। बैराबी-सायरांग रेलवे प्रोजेक्ट अब पूरी तरह से तैयार है। रेलवे की 51. 38 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन के जरिए अब मिजोरम की राजधानी आइजोल को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ दिया गया है रेलवे की यह बन कर तैयार है ।वह सुःखद पल जल्द ही मिजोरम के लोगों को यह क्षण का बर्षो से इंतजार था। रेलवे अधिकारी के अनुसार,ट्रेनें इस ट्रैक पर 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी व रेलवे का नेटवर्क आने वाले वर्षो में इस नेटवर्क को म्यांमार बॉर्डर जो यहाँ से लगभग 232 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। फिलहाल इस परियोजना का सर्वक्षण कार्य चल रही है रेलवे के इस नवनिर्मित नए रूट में मिजोरम के भीतर बैराबी, कुर्तिकी,कावंपुई, मुलखांग और सायरांग जैसे स्टेशन शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट को 2008 में शुरू किया जाना था , लेकिन इसे असली रफ्तार सन् 2014 में केन्द्र में मोदी सरकार आने के बाद मिली थी। मोदीने प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी गई थी इसमें करीब 5,022 करोड़ रुपयों की लागत से बने इस परियोजना में चार प्रमुख रेलवें स्टेशन शामिल हैं तथा पुल नंबर 144,जो मूलखांग और सायरांग के बीच बना है यानी दिल्ली के कुतुब मीनार से भी 42 मीटर ऊँचा है रेलवे के परियोजना के प्रमुख इंजीनियर विनोद कुमार के अनुसार,इस परियोजना में कुल 154 छोटे-बड़े पुल समेत 48 टनल का निर्माण ऐसी तकनीकों से डिजाइन किया गया है कि जिससे यह कम से कम 100 साल तक बिना किसी परेशानी और खराबी के चलाए जा सके यह क्षेत्र अर्थक्वेक जोन 5 में आता है,मगर आई आई टी कानपुर और आई आई टी गुवाहाटी की मदद से इस रेल लाइन को तकनीकी रूप से बेहद मजबूत और टिकाऊ बनाया गया है।आपके मन में मिजोरम व आइजोल के बारे में जिज्ञासा होगी मै स्पष्ट कर दूँ कि आइजोल की स्थापना सन 1890 में ब्रिटिश शासन के दौरान हुई थी। लुशाई पहाड़ियों में स्थानीय सरदारों को अंग्रेजों द्वारा पराजित करने के बाद, इसकी शुरूआत एक छोटी सैन्य चौकी के रूप में हुई थी,तथा ईसाई मिशनरियों की स्थापना के साथ शाथ शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की शुरूआत हुई,कालान्तर इस शहर का विकास हुआ। सन 1960 के दशक में मिजो नेशनल फ्रंट के विद्रोह में भी इसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई वर्षों की अशांति के बाद,सन1986 के मिजोरम शांति समझौते के साथ यहाँ शांति स्थापित हुई मिजोरम की भौगोलिक वसांस्कृतिक,साथ यह स्थान सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है पुरवोत्तर का यह प्रदेश बांग्लादेश और म्यांमार सेअर्न्तराष्ट्रीय सीमाएं से सटी हुई है,वही प्रदेश की सीमाएं असम,मणिपुर और त्रिपुरा से पुरबोत्तर राज्यों से लगती हैं मिजोरम राज्य को पहले असम के लुशाई हिल्स के नाम से जाना जाता था इसके बाद साल 1954 में यहां का नाम बदल कर मिजो हिल्स रख दिया गया जिसे सन1972 में यह एक केंद्र शासित राज्य घोषित किया गया है।अंत में 20 फरवरी 1987 को इसे भारत के पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया मिजोरम भारत के तीन ईसाई बहुल राज्यों में से एक है,जहाँ 87% से अधिक आबादी ईसाई,बौद्ध धर्म (8.51%), हिंदू (2.75%) व इस्लाम(1.35%)भी मौजूद हैं स्थानीय संस्कृति और खानपानयहाँ की मिजो संस्कृति को सरलता और प्रकृति के प्रति प्रेम की मिसाल माना जाता है मिजोरम का मुख्य भोजन चावल मांस,मछली और सब्जियों के साथ खाया जाता है यहाँ आप को जगह जगह बास के कोमल कोपल (स्पेदअंकुर),जंगली मशरूम और स्थानीय जड़ी-बूटियां यहां के व्यंजनों की खास पहचान है यहाँ के निवासी की वेशभुषा,संस्कृति व उत्सव व जीवन शैली की विशेष पहचान है यहाँ की प्राकृतिक फिजाओं में वायु प्रदुषण व ध्वनि प्रदुषण नगण्य है यातायात व्यवस्था हार्न फ्री के शांत शहर के नाम से जाना जाता है। यहाँ की प्राकृतिक फिजाओं में वायु प्रदुषण व ध्वनि प्रदुषण नगण्य है यातायात व्यवस्था हार्न फ्री के शांत शहर के नाम से जाना जाता है। भौगोलिक दृष्टि कोण से ऊंची व घुमादार पहाड़ियों की तलहटीयों पर बसी मिजोरम,समुद्री तल से लगभग 1,132 मीटर (3,715 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है,जिससे यहाँ सड़क मार्ग से सामान और लोगों की आवाजाही चुनौती पूर्ण रही है ऐसे में भारतीय रेलवे के द्वारा रेलवे की यह परियोजना क्रान्तिकारी कदम है वर्तमान में असम के बदरपुर से कथकल होते हुए भैरवी तक रेल का संचालन हो रहा है मिजोरम में 51.38 किलोमीटर लंबा ट्रैक तैयार किया गया है,जो भैरवी,कुर्तिकी, मुलखांग और सायरांग स्टेशनों को जोड़ता है जल्द ही इस मार्ग पर विस्टाडोम ट्रेनों का परिचालन भी शुरू होने वाला है,जिससे पर्यटकों को पहाड़ी दृश्यों का शानदारअनुभव मिलेगा राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यापार दोनों का विकास इस प्रस्तावित नए ट्रैक के जरिए न सिर्फ स्थानीय लोगों को सुविधाएं मिलेंगी,बल्कि सीमा व राष्ट्रीय सुरक्षा से सैन्य तैनाती,आपात कालीन सामग्री और निगरानी में भी तेजी

लाई जा सकेगी।
पूर्वोत्तर भारत में रेलवे के बदलाव की बयार असली कहानी सिर्फ रेल की पटरियाँ व सुरंग,पुल ही नहीं कह रहे,बल्कि इसका असर काफी गहरा है ये परियोजनाएं स्थानीय लोगों के जीवन शैली पर सीधा असर डाल रही हैं जो पहले खुद को उपेक्षित समझते थे नया रेल नेटवर्क पूर्वोत्तर की जीवन रेखा बन गई है जैसे-जैसे भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थ व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है,पूर्वोत्तर की भागीदारी भी बढ़ रही है और देश के विकास में अंहम भूमिका निभा रही है।

प्रदूषणः सुचारू हो सार्वजनिक परिवहन सेवा

अतुल कनक

वाहनों के कारण बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दुनिया भर में जीवाश्म ईधन अर्थात पेट्रोल और डीजल के उपयोग को धीरे-धीरे कम करके वैकल्पिक ऊर्जा के अपयोग को बढ़ावा देने की नीति अपनाई जा रही है। वाहनों के कारण वातावरण में घुलने वाला प्रदूषण आम जन की सेहत का दुश्मन हो गया है, और इसे समाप्त करने के प्रभावशाली उपाय किए ही जाने चाहिए। अधिकतर देशों में जीवाश्म ईधन के स्थान पर बिजली-चालित वाहनों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, लेकिन क्या बिजली से चलने वाले वाहनों का उपयोग पूरी तरह प्रदूषण पर रोक लगा सकेगा?
इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की पिछले दिनों जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बिजली उत्पादक देश बन गया है। भारत में बिजली उत्पादन की कुल स्थापित क्षमता 4,67,885 मेगावॉट है। यह क्षमता किसी भी महाशक्ति के नखरों को मुंह चिढ़ाने के लिए पर्याप्त है, लेकिन भारत की जनसंख्या और क्षेत्रफल को देखते हुए इस क्षमता को अभी कई गुना बढ़ाया जाना आवश्यक है। अभी भी आबादी के बड़े हिस्से को उसकी आवश्यकताओं के अनुसार बिजली की आपूर्ति नहीं हो पाती। मांग-आपूर्ति का अंतर खासकर ग्रामीण इलाकों में अभी भी सरकारों के लिएचिंता का विषय है।
यदि यह विकल्प वाहनों के कारण होने वाले प्रदूषण को प्रभावी हद तक रोक देता तो व्यापक जनहित में इसे स्वीकार किया जाना चाहिए। लेकिन धरातल पर स्थितियों के कुछ अन्य पक्ष भी सामने आते हैं, निश्चित रूप से हमारे नीति- नियंताओं ने उन्हें अनदेखा नहीं किया होगा। लेकिन उन पक्षों पर पर्याप्त चर्चा के प्रमाण नहीं मिलते। इनमें प्रमुख है कि जिस बिजली के उपयोग से वाहनों द्वारा होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण स्थापित किए जाने की बात की जा रही है, उस बिजली का उत्पादन पूरी तरह प्रदूषण-मुक्त नहीं है। भारत में बिजली उत्पादन का बड़ा हिस्सा आज भी ताप विद्युत गृहों से प्राप्त होता है। जून, 2024 के आंकड़ों के अनुसार भारत में कोयले से प्राप्त बिजली 2,10,969 मेगावॉट थी। मार्च, 2014 में यह आंकड़ा 1,39,663 मेगावॉट था। भारत को बिजली उत्पादन की क्षेत्र में बड़ी ताकत बनाने में ताप विद्युत गृहों का महत्त्वपूर्ण योगदान है, लेकिन कोयला किसी भी अन्य ऊर्जा स्रोत की तुलना में अधिक प्रदूषण उत्सर्जित करता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, कोयले से बिजली उत्पादन के दौरान प्रति यूनिट बिजली पर करीब एक लीटर कार्बन डाई ऑक्साइड निकलती है। यह आंकड़ा बताता है कि कोयले से बिजली बनाना पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से कितना असुरक्षित है। परमाणु ऊर्जा अपेक्षाकृत प्रदूषण-मुक्त मानी जा सकती है, लेकिन परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की अपनी सीमा है। अभी पवन चक्कियों, सोलर पैनल आदि से बिजली का उत्पादन उतना नहीं हो सका है कि ऊर्जा की मांग के अनुरूप उल्लेखनीय योगदान कर सके।
ऐसे में वाहनों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए इलेंट्रिक वाहनों के उपयोग की सख्ती करना भी आसमान से गिर कर खजूर पर अटकने की तरह होगा। होना तो यह चाहिए कि वाहनों से प्रदूषण के उत्सर्जन पर प्रभावी निगरानी हो। निर्धारित सीमा से अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को तुरंत जब्त कर स्क्रैप करने की नीति बनाई जा सकती है (हालांकि इस नीति को लागू करने पर भ्रष्टाचार पनपने का नया रास्ता खुल सकता है, इस बात के खतरे हैं)। लेकिन सबसे महत्त्वपूर्ण पहल यह होगी कि अक्षय ऊर्जा से चलने वाले सार्वजनिक परिवहन तंत्र को इतना विकसित और मजबूत कर दिया जाए कि लोग सार्वजनिक परिवहन का उपयोग वैसे ही करें जैसे आम मुंबईकर स्वेच्छा से लोकल का इस्तेमाल करता है। एक तरीका यह भी हो सकता है कि समाज में सेलिब्रिटी माने जाने वाले लोग स्वयं सार्वजनिक परिवहन का प्रयोग करें तो भीड़ उनका अनुकरण करने लगेगी। सार्वजनिक परिवहन की सुलभता इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि अभी तो हम इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बेहतर मान रहे हैं, लेकिन कुछ वर्षों बाद जब उनकी बैटरियां दम तोड़ने लगेंगी तब उस कचरे का क्या होगा? आखिर, इतनी बड़ी संख्या में निकलने वाली बैटरियों के निस्तारण की नीति और कार्ययोजना हमें अभी से ही सोचनी होगी न!

टैरिफ युद्ध अमेरिका पर ही भारी पड़ सकता है

अमेरिका में श्री डानल्ड ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही दुनिया के लगभग समस्त देशों के साथ ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है। अमेरिका में विभिन्न देशों से होने वाले आयात पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर एवं टैरिफ की दरों में बार बार परिवर्तन कर तथा इन टैरिफ की दरों को लागू करने की तिथि में परिवर्तन कर ट्रम्प प्रशासन टैरिफ युद्ध को किस दिशा में ले जाना चाह रहा है, इस सम्बंध में अब स्पष्टता का पूर्णतः अभाव दिखाई देने लगा है। अब तो विभिन्न देशों को ऐसा आभास होने लगा है कि अमेरिकी प्रशासन विभिन्न देशों पर टैरिफ की दरों के माध्यम से अपना दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है ताकि ये देश अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अमेरिकी शर्तों पर शीघ्रता के साथ सम्पन्न करें।
श्री ट्रम्प द्वारा कई बार यह घोषणा की गई है कि भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही सम्पन्न किया जा रहा है। अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिनिधि मंडल अमेरिका में गया था तथा निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहा एवं ऐसा कहा जा रहा है कि द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा रही है। हालांकि, इस बीच अमेरिका द्वारा कई देशों के विरुद्ध टैरिफ की दरों को बढ़ा दिया गया है। विशेष रूप से जापान एवं दक्षिणी कोरिया से अमेरिका को आयात होने वाली वस्तुओं पर 1 अगस्त 2025 से 25 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया जाएगा। इसी प्रकार, 12 अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर भी टैरिफ की बढ़ी हुई नई दरें लागू किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। इस सम्बंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। इस सूची में भारत का नाम शामिल नहीं है।
पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। साथ ही, चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी। अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था। जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को तुरंत कम कर दिया। अमेरिका द्वारा इसी प्रकार का एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ भी सम्पन्न किया जा चुका है। पूर्व में, ट्रम्प प्रशासन ने 90 दिवस की अवधि में 90 देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने की बात कही थी तथा 90 दिवस की समयावधि 9 जुलाई को समाप्त होने के पश्चात भी केवल दो देशों ब्रिटेन एवं चीन के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता सम्पन्न हो सका है। भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा चुका है परंतु इसकी अभी तक घोषणा नहीं की गई है। द्विपक्षीय समझौते के लिए शेष देशों पर दबाव बनाने की दृष्टि से ही इन देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों को एक बार पुनः बढ़ाये जाने का प्रस्ताव है और इन बढ़ी हुई दरों को 1 अगस्त 2025 से लागू करने की योजना बनाई गई है।
वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वैश्विक मंच पर न तो अमेरिका के टैरिफ की दरों में वृद्धि सम्बंधी निर्णयों की आलोचना की है और न ही भारत में अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है। बल्कि, भारत ने तो अमेरिका से आयात होने वाली कुछ विशेष वस्तुओं पर टैरिफ को कम कर दिया है। दरअसल, भारत इस समय विकास के उस चक्र में पहुंच गया है जहां पर भारत को अपना पूरा ध्यान आर्थिक क्षेत्र को आगे बढ़ाने पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। भारत को यदि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करना है तो आगे आने वाले लगभग 20 वर्षों तक लगातार लगभग 8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को बनाए रखना अति आवश्यक है। इसलिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत अपने आर्थिक विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत के रूस के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो अमेरिका से भी अपने सम्बन्धों को सामान्य बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है। भारत के इजराईल के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो ईरान के साथ भी भारत के व्यापारिक सम्बंध हैं। रूस एवं यूक्रेन युद्ध के बीच भी भारत ने दोनों देशों के साथ अपना संतुलित व्यवहार बनाए रखा है। इसी कड़ी में, चीन के साथ भी आवश्यकता अनुसार बातचीत का दौर जारी रखा जा रहा है, बावजूद इसके कि कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत के विरुद्ध कार्य करता हुआ दिखाई देता है।
अभी हाल ही में चीन ने भारत को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) की आपूर्ति पूर्णतः रोक दी है। साथ ही, मानसून का मौसम भारत में प्रारम्भ हो चुका है एवं भारत में कृषि क्षेत्र में गतिविधियां अपने चरम स्तर पर पहुंच गई हैं, ऐसे अत्यंत महत्वपूर्ण समय पर चीन द्वारा भारत को उर्वरकों की आपूर्ति पर परेशानियां खड़ी की जा रही हैं। चीन द्वारा समय समय पर भारत के लिए खड़ी की जा रही विभिन्न समस्याओं के हल हेतु भारत ने विश्व के पूर्वी देशों एवं विश्व के दक्षिणी भाग में स्थित देशों की ओर रूख किया है। अभी हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने घाना, नामीबिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, त्रिनिदाद एवं टोबैगो जैसे देशों की यात्रा इस उद्देश्य से सम्पन्न की है ताकि दुर्लभ खनिज पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इन देशों में दुर्लभ खनिज पदार्थ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।
भारत में 140 करोड़ नागरिकों का विशाल बाजार उपलब्ध है, जिसे अमेरिका एवं चीन सहित विश्व का कोई भी देश नजर अन्दाज नहीं कर सकता है। यदि अमेरिका एवं चीन भारत के साथ अपने सम्बन्धों को किसी भी कारण से बिगाड़ने का प्रयास करते हैं तो लम्बी अवधि में इसका नुक्सान इन्हीं देशों को अधिक होने जा रहा है है क्योंकि ऐसी स्थिति में वे भारत के विशाल बाजार से वंचित हो जाने वाले हैं। भारत तो वैसे भी पिछले लम्बे समय से आत्मनिर्भर होने का लगातार प्रयास कर रहा है एवं कई क्षेत्रों में भारत आज आत्मनिर्भर बन भी गया है। अतः भारत की निर्भरता अन्य देशों पर अब कम ही होती जा रही है। भारत आज फार्मा, ऑटो, कृषि, इंजीनीयरिंग, टेक्नॉलोजी, स्पेस तकनीकी, सूचना प्रौद्योगिकी, आदि क्षेत्रों में बहुत आगे निकल चुका है। आज भारत विकास के उस पड़ाव पर पहुंच चुका है, जिसकी अनदेखी विश्व का कोई भी देश नहीं कर सकता है। भारत को हाल ही में अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का भी पता लगा है। एक अनुमान के अनुसार, यह भंडार इतने विशाल हैं कि आगामी 70 वर्षों तक भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति होती रहेगी। इसी प्रकार, भारत में कर्नाटक स्थित कोलार स्वर्ण खदानों में भी एक बार पुनः खुदाई का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। आरम्भिक अनुमान के अनुसार, प्रतिवर्ष लगभग 750 किलोग्राम स्वर्ण की आपूर्ति भारत को इन खदानों से हो सकती है।
पूरे विश्व में आज केवल भारत ही युवा देश की श्रेणी में गिना जा रहा है क्योंकि भारत की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयुवर्ग में हैं तथा लगभग 40 प्रतिशत आबादी 15 से 35 वर्ष के आयुवर्ग में शामिल हैं। अतः एक तरह से भारत आज विश्व के लिए श्रम का आपूर्ति केंद्र बन गया है। लम्बे समय से रूस एवं यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बाद जब इन देशों में आधारभूत सुविधाओं को पुनर्विकसित करने का कार्य प्रारम्भ होगा तो इन्हें भारतीय श्रमिकों एवं इंजीनियरों की आवश्यकता पड़ने जा रही है, एक अनुमान के अनुसार अकेले रूस द्वारा में लगभग 10 लाख भारतीयों की मांग की जा सकती है। इसी प्रकार, इजराईल एवं हम्मास तथा ईरान के बीच युद्ध की समाप्ति के पश्चात इन देशों में भी बुनियादी ढांचे को पुनः मजबूत करने का कार्य जब प्रारम्भ होगा तो इन देशों को भी भारतीय नागरिकों की आवश्यकता पड़ेगी। इजराईल, जापान सिंगापुर एवं ताईवान आदि देशों द्वारा तो पूर्व में भी भारतीय इंजिनीयरों की मांग की जाती रही है। अमेरिका, ब्रिटेन एवं अन्य यूरोपीय देशों में तो डॉक्टर एवं इंजीनियरों की भारी मांग पूर्व से ही बनी हुई है। अतः आज भारत पूरे विश्व में डॉक्टर, इंजीनियर तथा श्रमिक उपलब्ध कराने के मामले बहुत आगे है। अतः भारत की इस ताकत की अनदेखी आज कोई भी देश नहीं कर सकता है।

राष्ट्र एवं धर्म की रक्षा के लिए जागृति महर्षि दयानंद सरस्वती का योगदान:- महेंद्र सिंह खडगवंशी

विधायक महेंद्र सिंह खडगवंशी ने महर्षि दयानंद सरस्वती स्मृति द्वार एवं आर्य समाज हसनपुर की यज्ञशाला के लिए 21000 रुपए दान की घोषणा

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- आर्य उप प्रतिनिधि सभा अमरोहा की मासिक बैठक आर्य समाज मंदिर हसनपुर के सभागार में आयोजित की गई। जिसमें हसनपुर विधायक महेंद्र खडगवंशी को प्रतीक चिन्ह एवं सत्यार्थ प्रकाश देकर सम्मानित किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक महेंद्र सिंह खडगवंशी ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने भारत को दासता से मुक्त करने के लिए स्वतंत्रता आंदोलन में जन सहयोग के लिए जन जागृति लाने का कार्य किया। उन्होंने युवाओं को हिंन्दुत्व,धर्म एवं राष्ट्र रक्षा के लिए सदैव तैयार रहने का संकल्प लेने, आर्य समाज की स्थापना तथा आर्यवीर दल की स्थापना की। महर्षि दयानंद सरस्वती ने जन मानस को वेदों की ओर चलो, के लिए प्रेरित किया एवं अंधविश्वास एवं पाखंड से दूर रहने का आवाहन किया था। हमें भी महर्षि दयानंद सरस्वती के बताए गए रास्ते पर चलना चाहिए तथा उनका अनुसरण करना चाहिए ताकि हम हिंदुत्व एवं राष्ट्र रक्षा के लिए युवाओं की फौज एक बार फिर तैयार कर सकें और विधर्मी हमारे राष्ट्र एवं धर्म को कोई हानि न पहुंचाने पाएं। हमें राष्ट्र एवं हिंदुत्व की रक्षा के लिए संकल्प लेना चाहिए। विधायक महेंद्र सिंह खडगवंशी ने विधानसभा हसनपुर के मुख्य मार्ग पर महर्षि दयानंद सरस्वती स्मृति द्वार शीघ्र बनवाने की घोषणा की एवं आर्य समाज हसनपुर की निमार्णाधीन यज्ञशाला के लिए 21000 रूपए दान देने की घोषणा की। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला आर्य उपप्रतिनिधि सभा अमरोहा के प्रधान धर्मवीर सिंह एवं पदाधिकारीयो ने विधायक महेंद्र सिंह खडगवंशी का माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनंदन किया। बैठक की अध्यक्षता जिला आर्य प्रतिनिधि सभा अमरोहा के प्रधान धर्मवीर सिंह आर्य ने की तथा संचालन हेतराम सागर ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रवीन आर्य, सुरमित कुमार गुप्त एडवोकेट, महिपाल सिंह ,अंकित गुप्ता, ओमपाल सिंह,हेतराम सागर,विनय त्यागी, रोहताश सिंह आर्य, नन्हे सिंह आर्य,रमेश चंद्र गुप्ता, नरेंद्र कांत गर्ग, यशवंत सिंह, विनय प्रकाश आर्य, सुभाष दुआ, सुरेंद्र सिंह आर्य, ठाकुर सिंह आर्य, हरि सिंह आर्य, सोमेश शास्त्री, सविता गुप्ता,इंदिरा आर्या, प्रबोधिनी अग्रवाल, सीता आर्या, आदि उपस्थित रहे।

पुलिस ने 03 अभियुक्तों को चोरी की एक मोटर साईकिल सहित किया गिरफ्तार

हसनपुर/अमरोहा(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में एवं क्षेत्राधिकारी हसनपुर दीप कुमार पंत के पर्यवेक्षण में थाना हसनपुर पुलिस द्वारा 03 अभियुक्तों को मय चोरी की हुई एक मोटर साईकिल सहित गिरफ्तार किया गया है। शनिवार की रात्रि थाना हसनपुर पुलिस द्वारा ज्मन लाल डिग्री कॉलेज से आगे बाग के पास चैकिंग के दौरान पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास कर रहे मोटर साईकिल पर सवार तीन अभियुक्त मोनू पुत्र चिरंजी निवासी उधनपुर थाना हसनपुर जिला अमरोहा, कपिल पुत्र फकीरा निवासी उधनपुर थाना हसनपुर जनपद अमरोहा, सचिन पुत्र महेश निवासी ग्राम उधनपुर थाना हसनपुर जनपद अमरोहा को घेराबन्दी कर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की मो0सा0 रजि0न0 वढ38 4697 सीडी डिलक्स बरामद हुई। गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना हसनपुर पर मु0अ0सं0 275/2025 धारा 317(2),317(4),317(5) बीएनएस पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है । पुलिस द्वारा पुछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि मो0सा0 रजि0न0 वढ38 4697 को ग्राम माडली समसपुर थाना ऐचोडा कम्बोह जनपद सम्भल के जंगल से चोरी किया था, मो0सा0 का मालिक मो0सा0 खडी करके अपने खेत में काम कर रहा था तभी तीनो ने मौका देखकर चोरी कर लिया।

बरसात ने खोली बछरायूं नगर पालिका की पोल, मामूली बारिश में बह गए विकास की दावे

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- बरसात के इन दिनों में हर उस जगह का पदार्फाश हो जाता है जहां राजनीतिक नेताओं,जनप्रतिनिधियों एवं नगर पालिका के द्वारा यह दावे किए जाते हैं कि हमारे द्वारा जगह-जगहों पर बहुत सारे विकास कार्य कराए गए हैं। ऐसा ही एक मामला मंडी धनौरा तहसील क्षेत्र की बछरायूं नगर पालिका का सामने आया है जहां पर बरसात के दिनों में हुई मामूली सी बारिश में ही विकास का भंडाफोड़ हो गया। बछरायूं में हुई मामूली सी बारिश ने नगर पालिका के विकास कार्यों की सच्चाई को पूरी तरह साफ कर डाला। तस्वीरों में आप खुद देख सकते हैं कि बछरायूं की जिन गलियों में नगर पालिका व राजनेताओं द्वारा विकास कार्य कराए जाने के दावे किए गए थे बरसात ने उन दावों की सच्चाई को पूरी तरह धो डाला। बछरायूं की सड़कों पर बारिश का पानी इस कदर जमा हो गया है कि रास्ते तालाबों में तब्दील हो चुके हैं और कीचड़ ने राह चलते युवकों को गंदगी के जूते पहना दिए। जिन गलियों में विकास कार्य कराए जाने के दावे किए गए थे अब वहां पर सिर्फ पानी, कीचड़ और अव्यवस्था दिखाई दे रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर बार सिर्फ कागजों पर ही विकास कार्य होते हैं और बारिश आते ही बछरायूं नगर पालिका की हकीकत सामने आ जाती है। अब मुख्य सवाल यह है कि अगर इतनी मामूली सी बारिश में ही बछरायूं नगरपालिका की यह हालत है तो भारी बारिश में यहां का क्या हाल होगा?

भाकियू शंकर ने जनजागरण कार्यक्रम के दौरान किया संगठन विस्तार,कई लोगों को सौंपीं अहम जिम्मेदारियां

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (शंकर) द्वारा शनिवार को जनजागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शाम के समय जोया क्षेत्र के जोजखेड़ा गांव में चौधरी कल्लू सिंह की बैठक पर भारतीय किसान यूनियन (शंकर) का जन जागरण कार्यक्रम चौधरी लोटन सिंह की अध्यक्षता व डॉ विजेंद्र चौधरी के संचालन में हुआ। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में चोरों व तेंदुए का आतंक मचा हुआ है, जिस कारण किसानों को अपनी खेती के कार्य करने में भी परेशानी हो रही है और रात-रात भर जागकर ग्रामीण पहरेदारी करने को मजबूर हो रहे हैं। इस भय के आतंक से ग्रामीणों को छुटकारा दिलाया जाए, सालारा से जो नहर निकलती है उसमें झाड़ झंकाड होने के कारण वहां पर चोरों को पनाह मिल रही है, इसकी साफ सफाई कराई जाए। अंत में कार्यकारिणी ने संगठन का विस्तार करते हुए मेघराज सिंह उर्फ मुन्नू को ग्राम अध्यक्ष नियुक्त करते हुए सभी ग्राम अध्यक्षों को अपने-अपने गांव की कार्यकारिणी बनाकर 15 दिन में देने को कहा है। संगठन विस्तार में चौधरी सुरेंद्र सिंह गांव की कार्यकारिणी बनाने में मदद करेंगे। इस जनजागरण कार्यक्रम में चौधरी भूपेंद्र सिंह, मनजीत सिंह, नरेंद्र सिंह ,सुरेंद्र सिंह, पीतम सिंह ,धर्मवीर सिंह, सुमित, पिंटू ,आनंद सिंह, विमल सिंह, मनोहर सिंह, मुन्नू सिंह, राजकुमार, राकेश रतनपुर, नवलवीर सिंह, नेमपाल सिंह, हरिओम, जयपाल प्रधान, पप्पू पाल, अमित चौधरी , सतेंद्र सिंह, समरपाल सैनी, चौधरी चंद्रपाल सिंह, प्रधान महीपाल सिंह, मोनू चौधरी, चौधरी संतबीर सिंह, मोजी रामपाल, चौधरी ओमवीर सिंह सहित सैकड़ो पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उ0 प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों की एक बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद में उ0 प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों की एक आवश्यक बैठक जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में नगर के जे0 एस0 हिन्दू इण्टर कॉलेज अमरोहा में सम्पन्न हुई। बैठक में शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर गंभीरता पूर्वक विचार विमर्श किया गया। पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए प्रदेशीय मंत्री और प्रधानाचार्य जे0 एस0 हिन्दू इण्टर कॉलेज डॉ0 जी0 पी0 सिंह ने बताया कि सरकार शिक्षकों की समस्याओं को लगातार अनदेखा कर रही है, जिससे शिक्षक दुखी और त्रस्त है। शिक्षकों और प्रधानाचार्यो के ऑफ लाइन स्थानांतरण भी विभाग में लटके पड़े हुए हैं, शिक्षक परेशान हैं। 11 जुलाई को लखनऊ शिक्षा निदेशालय पर प्रदेश व्यापी धरने पर प्रदेश संगठन को आश्वस्त किया गया है कि शीघ्र ही इनका निस्तारण किया जाएगा। स्थानीय स्तर पर शिक्षकों के चयन और प्रोन्नत वेतन मान, जो जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में लंबित पड़े है, इनको शीघ्र ही निस्तारण कराए जाने की मांग की गई। नई पेंशन से पुरानी पेंशन में आये साथियों के एनपीएस की धनराशि को जीपीएफ में हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण किये जाने पर भी जोर दिया। इसके अतिरिक्त पिछले छूटे हुए कुछ शिक्षकों की एन पी एस की धनराशि जो पिछले दिनों ज्ञापन में भी अंकित किया था, यह मुद्दा भी रखा गया। इसके अतिरिक्त श्रावण मास में स्कूली छात्र छात्राओं को सोमवार के दिन रुट डाइवर्ट/रास्ते बंद होने की वजह से जो परेशानी होती है, सुरक्षा की दृष्टि से विभाग और प्रशासन द्वारा श्रावण माह के प्रत्येक सोमवार को स्कूल कॉलेज बंद रखने के आदेश भी पूर्व वर्षो की भाँति किये जायें, जिससे की किसी भी छात्र छात्रा अथवा शिक्षक, विशेष कर महिला शिक्षकों को आने जाने में कठिनाई का सामना न करना पड़े। इसके लिए संगठन ज्ञापन के माध्यम से भी विभाग और प्रशासन को अवगत कराएगा। जिलाध्यक्ष और जिलामहामंत्री बालक राम ने बताया कि प्रदेशीय आव्हान पर शिक्षकों की समस्याओं को लेकर आगामी 20 अगस्त 2025 को पूरे प्रदेश में एक साथ जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। जिसमे प्रत्येक शाखा से हर एक शिक्षक शिक्षिका और प्रधानाचार्य की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। सरकार से अपनी मांगे मनवाने के लिए एकजुट होकर धरना दिया जाएगा। आप सभी की उपस्थिति और एकता ही धरने को कामयाब बनाएगी। सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी अतुल कुमार शर्मा और जिला कोषाध्यक्ष कृष्ण पाल सिंह ने बताया कि शिक्षकों की समस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन आगामी 17 जुलाई को जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंपा जाएगा। अतः जिनकी जो भी समस्या, चाहे वो पुराने एरियर की ही क्यों न हो, अभी तक नही मिला है तो वो भी, जिलाध्यक्ष/जिलामहामंत्री या कोषाध्यक्ष को फोन पर अथवा व्हाट्सअप पर मंगलवार तक भेज दें, जिससे कि मांग को समय से ज्ञापन में शामिल किया जा सके। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष महिपाल सिंह, चारु शर्मा, हरिओम शर्मा, श्रीनारायन यादव, ललित शर्मा, सोविन्दर सिंह, शीशपाल सिंह, कुमकुम शर्मा, अनिल कुमार, दीपक त्यागी, रामबहादुर सिंह, संदीप कुमार आदि संगठन के पदाधिकारी मौजूद थे।

रामडोल कमेटी ने शोभायात्रा मार्ग दुरुस्त कराने हेतु चेयरपर्सन को ज्ञापन सौंपा

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से अगले दिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक एवं भव्य तरीके से शहर में निकलने वाली रामडोल शोभायात्रा के मार्गों को दुरुस्त कराने, विशेष साफ सफाई व्यवस्था, रास्ते में पड़ने वाली पुलियों का निर्माण कराने एवं शहर में प्रकाश व्यवस्था की बेहतरी के संबंध में श्री धार्मिक रामडोल कमेटी के पदाधिकारीयों ने चेयरपर्सन शशि जैन को ज्ञापन सौंपा । नगर के मोहल्ला कोट स्थित रियासत वाला मंदिर से प्रतिवर्ष श्री कृष्ण जन्माष्टमी से अगले दिन नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए निकलने वाली भव्य एवं ऐतिहासिक रामडोल शोभायात्रा निकाली जाती है । जो अपने भव्य स्वरूप में इस वर्ष भी आगामी 17 अगस्त को निकाली जाएगी । इस संबंध में श्री धार्मिक रामडोल कमेटी रजि० के अध्यक्ष पं० कपिल शर्मा के नेतृत्व में कमेटी के पदाधिकारी नगर पालिका परिषद की चेयरपर्सन श्रीमती शशि जैन के आवास पर पहुंच कर उनसे मिले और रामडोल शोभा यात्रा के मुख्य मार्गों को शीघ्र दुरुस्त कराने, नगर में चूना आदि छिड़काव कर विशेष साफ सफाई व्यवस्था को चाक चौबंद कराने, शोभा यात्रा के मार्गो में पड़ने वाली पुलियों की मरम्मत कराने एवं विभिन्न मुख्य मार्गों पर उचित प्रकाश व्यवस्था की बेहतरी की मांगों के लिए ज्ञापन सौंपा । उन्होंने बताया कि इस वर्ष नगर में निकलने वाली रामडोल शोभायात्रा ऐतिहासिक होने के साथ भव्य और आकर्षक रहेगी जिसमें डीजे पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा । इस संबंध में चेयरपर्सन श्रीमती शशि जैन ने कमेटी के पदाधिकारीयों को सारी व्यवस्थाएं गत वर्षो से भी बेहतर समय पूर्व नगर पालिका द्वारा कराने का आश्वासन दिया । ज्ञापन देने वालों में कमेटी के अध्यक्ष पं० कपिल शर्मा, महामंत्री पंकज जिंदल, मनोज अग्रवाल, सुभाष शर्मा, पं० मनु शर्मा, राज शर्मा, रिशु दीक्षित, नमन जैन, मनुज गोयल, वासु दीक्षित, अमित रस्तोगी आदि उपस्थित रहे ।

दो ट्रैक्टरों को आपस में बांधकर स्टंट करना युवकों को पड़ा महंगा, पुलिस ने MV Act के अन्तर्गत की कार्यवाही

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियों वायरल हुआ था। जिसमें दो युवकों द्वारा 02 ट्रैक्टरों को आपस में बांधकर खतरनाक तरीके से ट्रैक्टरो से स्टंट किया जा रहा था। थाना हसनपुर पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए स्टंट कर रहे ट्रैक्टर चालकों 1. हेमसिंह पुत्र देशराज नि0ग्राम लठीरा माफी थाना हसनपुर अमरोहा 2. ओमदत्त पुत्र मलखे नि0ग्राम लठीरा माफी थाना हसनपुर जनपद अमरोहा को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही की गयी तथा स्टंट में प्रयुक्त 02 ट्रैक्टरों (महिन्द्रा 575 ,रंग लाल) को अन्तर्गत धारा एमवी एक्ट में चालान किया गया। वहीं पुलिस ने जनमानस से निवेदन करते हुए स्टंट न करने की व यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

गांव में रात में दिखा उड़ने वाला यंत्र ग्रामीण परेशान

रात में घर के पास दिखे दो अनजान व्यक्ति, ग्रामीणों द्वारा आवाज देने पर जंगल की ओर भागे

ग्रामीणों ने दी डायल 112 को सूचना आधे घंटे बाद पहुंची

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- आकाश में द्रोण, एलियन, उड़नतश्तरी के घूमने से भयभीत ग्रामवासी रातों रात जागने को मजबूर हैं। मिली जानकारी के मुताबिक हसनपुर क्षेत्र के ग्राम भदौरा में कुछ लोग चमकीली उड़नतश्तरी को चोरों द्वारा भेजा गया खोजी द्रोण बता रहे हैं। तो वहीं कुछ लोग एलियन आदि समझकर भयभीत हैं। पिछली रात आबादी से बाहर जंगल में खेतों पर घर बनाकर रह रहे लोगों ने आसमान में द्रोण जैसी उड़ती हुई आकृति को देखा गया। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार इस दौरान ग्रामीणों ने स्व कृष्ण कुमार सिंह के घर के पास दो अज्ञात लोगों को खड़े देखा तो ग्रामीणों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। जिसके बाद पड़ोसियों द्वारा उन्हें आवाज दी गई एवं टॉर्च की रोशनी लगाई तो वे दोनों जंगल की ओर भाग गए। भयभीत ग्रामीणों ने डायल 112 को सूचना दे दी। जिसके बाद डॉयल 112 की गाड़ी एवं एक बाइक लगभग आधे घंटे के बाद मौके पर पहुंची। जिसके बाद पुलिस के द्वारा ग्रामीणों के साथ घर के पास जंगल में सर्च अभियान चलाया गया लेकिन कुछ हाथ नहीं आया। निराश ग्रामीण अपने घर चले गए। बताया जाता है कि पिछले चार दिनों से यही स्थिति है और आस पास के गांवों में यहीं स्थिति बताई जा रही है। ग्रामीण कृष्ण कुमार शर्मा ने आसमान में उड़ने वाली द्रोण जैसी चीज की जांच करके असलियत सार्वजनिक किए जाने की मांग की है। जिससे भय के माहौल में जागकर रात जागने को मजबूर ग्रामीणों को राहत मिल सके। सर्च अभियान चलाने वालों में मुरारी प्रजापति अजय कुमार, कपिल सैनी, विनीत कुमार, उमेश कुमार, ठाकर सिंह, रोहित सिंह, देवराज सैनी, कृष्ण कुमार शर्मा, राहुल कुमार आदि दर्जनों लोग मौजूद रहे।

गजरौला में बुलेट से पटाखे छोड़ना युवकों पड़ा भारी, तीन बुलेट को पकड़कर पुलिस ने किया सीज

69000/- रुपए का किया चालान

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली क्षेत्र में तीन युवकों को बुलेट मोटरसाइकिल को खतरनाक तरीके से चलाने और और पटाखे छोड़ना भारी पड़ गया जिनको कोतवाली पुलिस ने पड़कर चालकों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए तीनों बुलेट को सीज कर 69000/- कर चालान किया है।

बता दें कि ये तीनों युवक शनिवार को नगर के मोहल्ला भानपुर रोड पर तीन बुलेट मोटरसाइकिल पर छह लड़के बैठकर इंदिरा चौक से भानपुर फाटक की ओर खतरनाक तरीके से बुलेट चलाते जा रहे थे साथ ही बुलेट से तेज आवाज में पटाखे फोड़ते जा रहे थे, जिनको भानपुर फाटक पर नगर कोतवाली पुलिस द्वारा पकड़ लिया गया। इस दौरान दस्तावेज दिखाने में तीनों युवक असमर्थ रहे। इस पर नगर कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों बुलेट मोटरसाइकिल को धारा 207 एमवी एक्ट के तहत सीज कर दिया और तीनों मोटरसाइकिलों पर 69000/- रुपए का जुमार्ना लगा दिया।

रोटरी क्लब चंदौसी सिटी स्टार ने क्लोजिंग मीटिंग कर गिविंग सेरेमनी का किया आयोजन

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- रोटरी क्लब चन्दौसी सिटी स्टार की सत्र 24-25 की क्लोजिंग मीटिंग थैंक्स गिविंग सेरेमनी अन्नपूर्ण वेंकट चंदौसी मैं सत्र 24-25 के अध्यक्ष रो अंकित जैन द्वारा अयोजित की गई। जिसमें क्लब के सभी सदस्यों और आए हुए अतिथि द्वारा अंकित जैन को विदाई दी गई। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप मे चंदौसी के उपजिलाधिकारी आशुतोष तिवारी, रोटरी मंडल 3100 के पूर्व गवर्नर रो डी के शर्मा, वर्ष 26-27 की गवर्नर रो पायल शर्मा, वर्ष 27-28 के गवर्नर रो काव्य रस्तोगी के साथ मंडल 3100 के चन्दौसी, मुरादाबाद, बहजोई, बबराला, बुलंदशहर, बिसौली अदि नगरों के वरिष्ठ रोटेरियन उपस्तिथ रहे। सभा का संचालन रो पायल गुप्ता व रो अनुराग मित्तल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। सभा मे उपजिलाधिकारी द्वारा रोटरी क्लब से सामाजिक गतिविधियों मैं बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने के लिय रोटरी क्लब चंदौसी सिटी स्टार से विशेष रूप से सम्मानित किया। रो पायल शर्मा द्वारा रोटरी क्लब चंदौसी सिटी स्टार के कार्यों की सराहना करते हुए सभी को एक जुटता से आगे बढते हुए कार्य करने के प्रोत्साहन किया गया व गरीब कन्याओं की पढ़ायी के लिए स्कॉलरशिप देने की घोषणा की गई। रो काव्य जी ने रोटरी मैं सभी को एक साथ राह कर बिना किसी द्वेष भावना से एकजुटता के साथ आगे बढ़ाने के लिए कहा गया जो लोगो के प्रति मन मे दुर्व्यवहार रखते है उनसे दरकिनार करके रोटरी आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। अध्यक्ष रो अंकित जैन द्वारा अपने सत्र 24-25 में सभी सदस्यों को सहयोग के लिए उपहार दिए गए व सभी सदस्यों का सम्मान किया गया। अंत मे सभी अतिथियों का धन्यवाद दिया गया सभा में सचिव पुनीत अग्रवाल सर्राफ, रो अमित अग्रवाल सर्राफ, रो मनोज सर्राफ, रो डॉ अमोल कंचन, रो दिलीप रस्तोगी, रो मनु मित्तल, रो विवेक कागजी, रो आलोक गर्ग, रो शोबित सेठ, रो लोकेश अगरवल, रो गौरव अग्रवाल, रो अजय अग्रवाल, रो डॉ पंकज वार्ष्णेय, रो डॉ विदुषी, रो आलोक गुप्ता, मुदित गर्ग, नीरज रस्तोगी, भुवनेश वार्ष्णेय, लोकेश जैन, विजय वार्ष्णेय, विनीत अग्रवाल, लोकेश अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, निशांत चार्ली, ज्योति जैन, शिल्पा अग्रवाल, मीतू अग्रवाल, चारु अग्रवाल, पायल मित्तल, शिखा जैन, नेहा अग्रवाल, वशली अग्रवाल, रीता गुप्ता, मोना अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल, श्वेता रस्तोगी, शानू रस्तोगी, सुनीता कंचन आदि सदस्यों का सहयोग रहा।

सत्यव्रत पुलिस चौकी व जामा मस्जिद पर लगे पुलिस बल को चेक कर ब्रीफ किया गया

संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद संभल कृष्ण कुमार द्वारा थाना संभल की सत्यव्रत पुलिस चौकी पर बने कंट्रोल रूम तथा जामा मस्जिद पर लगे पुलिस बल को चेक किया गया तथा मौजूद पुलिस बल को ड्यूटी के दौरान बरते जाने वाली सावधानियों के सम्बन्ध में ब्रीफ कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान अपर जिलाधिकारी संभल प्रदीप वर्मा व उपजिलाधिकारी संभल विकास चंद्र आदि अधिकारीगण मौजूद रहे।

परामर्श सुलह समझौता की लगाई बैठक

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- जनपद संभल में पुलिस अधीक्षक के के बिश्नोई की देखरेख में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक मीटिंग आज सुबह 10 बजे महिला सेल प्रभारी इंस्पेक्टर पूनम आनंद की देखरेख में महिला थाने में संपन्न हुई जिसमें पति-पत्नी के मध्य भी आपसी विवादों का सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण करने का प्रयास काउंसलन द्वारा किया गया जहां कुल 71 पत्रावली सुनकर 15 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया तथा 2 परिवार को मिलाया गया तथा 13 पत्रावलियों को न्यायालय में विचाराधीन होने अथवा आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद करने की संतुति की गई। एवं एक पत्रावली में विधिक कार्यवाही करने की संतुति की गई।इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय बबीता शर्मा सीमा आर्य श्वेता गुप्ता कंचन महेश्वरी तथा कांस्टेबल शहजाद मलिक रश्मि गहलोत, ज्योति, उषा आदि लोग उपस्थित रहे।

हनुमान मंदिर पर किया फल का प्रसाद वितरित

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- वैश्य समाज जन कल्याण सेवा समिति चंदौसी द्वारा दोपहर 1:30 बजे से बड़ा बाजार स्थित हनुमान मंदिर पर श्री नंद गोपाल नंदी मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के जन्मोत्सव के उपलक्ष में फलों का वितरण किया गया। समिति की ओर से कल्पना वार्ष्णेय ने नंद गोपाल नंदी के बारे में सदस्यों को अवगत कराया समिति से भावना गुप्ता ने नंद गोपाल नंदी द्वारा किए गए सामाजिक उत्थान तथा वैश्य समाज के हित में किए गए कार्यों पर विस्तृत जानकारी दी। श्री दिनेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि हमारी समिति प्रतिवर्ष नंद गोपाल नंदी जी का जन्म उत्सव किसी न किसी रूप में मनाते हैं इस बार उनके जन्म पर फल वितरण किया जा रहा है इस कार्यक्रम में कल्पना वार्ष्णेय, भावना गुप्ता, पूर्णिमा, पूनम, अंशु, बॉबी, रचना, मनीषा, अनीता, सुमन, मनोरमा देवी, दीपा, दिनेश चंद्र गुप्ता, दुष्यंत कुमार गुप्ता आदि सहभागिता व सहयोग रहा।

नगर में निकाली गई खाटू श्याम जी की निशान यात्रा

पिलखुआ/हापुड़(सब का सपना):- श्री श्याम शाखा परिवार सेवा ट्रस्ट द्वारा श्री खाटू श्याम रथ यात्रा बैंड बाजे के साथ शनिवार को नगर के सर्वोदय इंटर कॉलेज से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए रामलीला मैदान पहुंची। निशान यात्रा रेलवे रोड से प्रारंभ होकर नगर के जवाहर बाजार, गांधी बाजार , बाजार से होते हुए निकली गई। निशान यात्रा में खाटू श्याम दरबार की झांकी मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। निशान यात्रा में भक्त श्याम बाबा के जयकार बोलते हुए कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे। वही महिलाएं प्रसाद की थालियां लेकर चली। श्री श्याम शाखा परिवार सेवा ट्रस्ट द्वारा निकाली गई यात्रा में अतुल शर्मा ,निधि शर्मा ,मुकेश वर्मा, हेमा वर्मा, वंशिका ,मनीष मनीष तायल, शिल्पी ,केशव ,सर्वप्रिय, अभिषेक गोयल ,तरुण कुमार, ललित गर्ग, पीयूष गोयल ,नेहा गोयल ,संजीव गोयल ,निर्मल गोयल, गौरव शर्मा, राधा शर्मा, गुंजन गुप्ता, सुरेखा रानी, तपन शर्मा, कविता शर्मा, ललित गर्ग, अंजलि गर्ग, नितिन तायल, निधि तायल ,वरुण शर्मा ,दिनेश गुप्ता, सुरेश चंद्र रोहिल्ला, राजेंद्र सिंह ,अनुराग गोयल, शशांक टोंक विकास , जतिन व श्याम भक्त उपस्थित रहे।

सिंभावली में रात्रि में दबंग माफिया प्रशासन की मिलीभगत से कर रहे अवैध खनन

सिंभावली/हापुड़ (सब का सपना):- जनपद के सिंभावली थाना क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन का कारोबार जारी है। रात के समय खनन माफिया जेसीबी मशीन से मिट्टी की खुदाई कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह काम तहसील प्रशासन और पुलिस के संरक्षण में हो रहा है। ईमानदारी की मिसाल जनपद हापुड़ के जिला अधिकारी अभिषेक पांडे द्वारा जनपद भर में मिट्टी के अवैध खनन पर रोक लगाई हुई है। उसके बावजूद भी क्षेत्रीय प्रशासन से अवैध खनन माफिया साठ गांठ करके रात्रि में खुलेआम मिट्टी का अवैध खनन कर रहे हैं। टोडलपुर हिम्मतपुर रोड पर खेतों से जेसीबी मशीन से रात्रि के अंधेरे में खनन माफिया मशीन चलाकर खनन करते हैं और रात को ग्रामीणों को भी सोने नहीं देते। नाम ने छापने की शर्त पर कई ग्रामीणों ने बताया कि पूरी रात खनन माफियाओ के ट्रैक्टर दौड़ते हैं जिसकी वजह से उन्हें रात में नींद भी नहीं आ पाती। ग्रामीण कहते हैं कि यह सब बगैर प्रशासन की मिली भगत के नहीं हो सकता। अब ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर रात के अंधेरे में खनन माफिया किसके दम पर सक्रिय हो जाते हैं और क्षेत्रीय प्रशासन आखिर खनन माफियाओं पर कार्रवाई करने में नाकाम क्यों हैं?

व्यापारियों ने शिव मन्दिर में मंत्री नंदगोपाल नंदी के पुर्नप्राप्त जन्मोत्सव पर दीघार्यु की प्रार्थना की

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- नगर चंदौसी की डिस्पेंसरी रोड स्थित शिव मंदिर में वैश्य समाज उत्तरप्रदेश के पुरोधा एवं उत्तरप्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी के पुर्नप्राप्त जन्मोत्सव के आयोजन में व्यापारी बन्धुओं और नगर के वैश्य भामाशाहों ने प्रार्थना सभा करके मन्दिर में आरती कर प्रसाद का वितरण किया। व्यापारी नेता अरविन्द गुप्ता एमडीएच ने बताया कि प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री एवं शहर दक्षिणी विधायक नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी का पुर्नप्राप्त जन्मोत्सव पूरे प्रदेश में व्यापारी साहस दिवस के रूप में मना जा रहा है। मंत्री नन्दी ने वर्ष 2007 में तत्कालीन सरकार में कैबिनेट मंत्री बनने के बाद व्यापारियों एवं उद्यमियों के साथ ही वैश्य समाज के लोगों का शोषण करने वालों के खिलाफ आवाज उठाई, गुंडों माफियाओं की मनमानी को बर्दाश्त करने के बजाय विरोध किया, वहीं उनकी बातों को स्वीकार करने के बजाय माफियाओं को चुनौती दी। जिसे गुंडे, बदमाश और माफिया बर्दाश्त नहीं कर सके और 12 जुलाई 2010 को उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी पर बहादुरगंज की गली में आरडीएक्स रिमोट बम से जानलेवा हमले की साजिश रची गई। जिसमें एक सुरक्षाकर्मी एवं एक पत्रकार की मौत हो गई थी और मंत्री नन्दी गम्भीर रूप से जख्मी हुए थे। जिस समय हमला हुआ मंत्री नंदी प्रतिदिन की तरह प्राचीन मनोकामना पूर्ति शिव मंदिर में जल चढ़ाने जा रहे थे। मंत्री नंदी पर हुआ हमला इतना जोरदार था कि पूरा शहर दहल उठा था। इस दौरान अरविंद कुमार गुप्ता, सुधीर अग्रवाल दाल वाले, मुकेश वार्ष्णेय ब्रेड, शीनू गुप्ता, सभासद अनुराग गर्ग, देवेंद्र गुप्ता मोनू, श्रीगोपाल, सर्वेश चीनी, चंद्र मोहन, राहुल अग्रवाल, हरीश कुमार, शुभम अग्रवाल, एड. विभोर बंसल आदि व्यापारी गण एवं वैश्य समाज के भामाशाह उपस्थित रहे।

आजाद अधिकार सेना के जिलाध्यक्ष ने की बैठक

आदमपुर/अमरोहा (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ढबारसी कस्बे में आजाद अधिकार सेना पार्टी के जिलाध्यक्ष ने अपने कार्यालय पर बैठक का आयोजन किया। बैठक के दौरान कार्यकताओं ने नवयुक्त जिलाध्यक्ष असलम सैफी का स्वागत करते हुए एक दूसरे को मुंह मीठा करा कर खुशी जाहिर की। बैठक के दौरान नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ने विचार विमर्श करते हुए संगठन की मजबूती पर जोर दिया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि जब सभी लोग इमानदारी पूर्वक काम करेंगे तब पार्टी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि हमें अपने कार्यों द्वारा जनता का विश्वास जीतना है। इस मौके पर मुशाहिद चौधरी, सद्दाम चौधरी ,जाकिर सैफी, इमरान सैफी, मुस्तफा अतरारी, कासिम चौधरी, भूरे ठेकेदार ,सनी,शुलेन्द्र, जगदीश, उर्मान आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फर्जी बीमा करने वाला अंतर्जनपदीय गिरोह का एक सदस्य और गिरफ्तार

धनारी/संभल(सब का सपना):- अंतर्जनपदीय फर्जी बीमा माफिया गिरोह का एक और सदस्य पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार आपको बता दें कि थाना धनारी पर उर्मिला पत्नी स्व० प्रेमपाल निवासी ग्राम धनारी स्टेशन थाना धनारी जनपद सम्भल द्वारा सूचना दी गई कि करीब तीन वर्ष पहले उर्मिला के पति प्रेमपाल की टी.बी. की बीमारी के चलते मृत्यु हो गयी थी तो वादिनी के घर पर अनेकपाल पुत्र हरप्रसाद नि० ग्राम बायभूड थाना धनारी जनपद सम्भल व दो-तीन अज्ञात व्यक्ति आये थे। उन्होने उनसे कहा था कि सरकारी योजना के अन्तर्गत उनको सहायता राशि दिलवा देंगें। इसके बाद वादिनी से उसके मृतक पति प्रेमपाल के आधार कार्ड, बैंक पास बुक, मृत्यु प्रमाण पत्र, व वादिनी का आधार कार्ड, फोटो लेकर चले गये थे। बाद में वादिनी को बैंक में ले जाकर कई कागजो पर हस्ताक्षर कराये थे। वादिनी का कहना है कि वादिनी को अभी तक उसके व उसके मृतक पति प्रेमपाल के कागज नही दिये गये है वादिनी ने बताया कि इन लोगो ने अन्य लोगो से भी सरकारी योजना का लाभ दिलावाने हेतु कागज ले रखे है एवंम बीमा करकार उनका पैसा धोखाधडी कर हडप लिया है। वादिनी द्वारा बताया गया कि मेरे पति का भी बीमा करके इन लोगो ने बीमा का सारा पैसा हडप लिया है थाना धनारी पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर फर्जी बीमा पॉलिसी करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह के विरुद्ध थाना धनारी जनपद सम्भल पर पंजीकृत मुकदमे के आधार पर प्रकाश में आये 1 अभियुक्त सत्यप्रकाश पुत्र रामप्रसाद निवासीगण ग्राम कल्हा थाना धनारी जनपद सम्भल को पीपलवाडा तिराहा से गिरफ्तार किया गया है गिरफ्तार शुदा अभियुक्तगण को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

महिला ने मोबाइल के लिए रुपये इकट्ठे किए, पति ने छीने, पत्नी को चाकू से घायल करने का आरोपी दबोचा

अलीगढ़: महिला ने मोबाइल के लिए रुपये इकट्ठे किए, पर पति ने उसे रुपये छीन लिए। पति ने पत्नी को चाकू से गले पर हमला कर दिया, जिससे पत्नी घायल हो गई। महिला ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करा दी। नौगवां चौराहे से आरोपी पति को दबोच लिया। मोबाइल के रुपयों को लेकर पत्नी का चाकू से गला रेतकर घायल करने के आरोपी पति को 13 जुलाई सुबह पुलिस ने नौगवां चौराहे से गिरफ्तार कर लिया। थाना पुलिस ने बताया कि बूढ़ागांव में नफीस ने मायके में रह रही पत्नी नजराना को 29 जून को चाकू से घायल कर उसके तीन हजार रुपये छीन लिए थे। महिला ने इन रुपयों को मोबाइल खरीदने के लिए इकट्ठा किया था। पीड़ित महिला ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

वंदे भारत राष्ट्रवादी संगठन की बैठक का आयोजन, आकाश बने जिलाध्यक्ष

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना;- रविवार को वंदे भारत राष्ट्रवादी संगठन की मंडल स्तरीय बैठक का आयोजन नगर चंदौसी के आर.एस. इंटर कॉलेज में संपन्न हुई। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष मेजर राजीव ढल का प्रवास रहा और बैठक में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में एस.एम.लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर प्रवीण सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में मंडल महामंत्री मुरादाबाद राहुल चौधरी उपस्थित रहे। बैठक का सफल संचालन वीके त्रिपाठी ने किया। बैठक का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष की दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण कर किया गया जिसमें वक्ताओं ने संगठन की विचारधारा पर प्रकाश डाला और अपनी राष्ट्रवादी सोच के साथ विस्तार क्रम में मंडल उपाध्यक्ष मुरादाबाद, दिनेश पाल सिंह तोमर व जिला अध्यक्ष संभल आकाश कुमार की घोषणा की गई। तत्पश्चात जिला अध्यक्ष आकाश ने जिला टीम का विस्तार करते हुए जिला उपाध्यक्ष के रूप में क्रमशः अमित यादव, सत्येंद्र दिवाकर, रोहित ठाकुर तथा जिला महामंत्री के रूप में वीके त्रिपाठी, भुवनेश पाल, रोहित कुमार, शगुन ठाकुर जिला मीडिया प्रभारी यश ठाकुर रमेश कुमार यादव को जिला मीडिया सह प्रभारी महेश कुमार दिवाकर को जिला प्रभारी सोशल मीडिया जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा के रूप में कंचन राघव जिला महामंत्री महिला मोर्चा के रूप में रितिका राघव जिला कोषाध्यक्ष नीलेंद्र सिंह राघव व इंद्रजीत सिंह यादव को जिला संरक्षक नियुक्त किया गया। संगठन की कर शैली पर प्रकाश डालते हुए प्रदेश अध्यक्ष वंदे भारत उत्तर प्रदेश मेजर राजीव ढल ले कहा कि जनपद संभल की टीम संगठन का और विस्तार करेगी और नित्य नहीं आता ऊंचाइयां छुएगी की ऐसी हम आशा करते हैं। इस दौरान गौरव चौहान, रोहित ठाकुर, ऋषभ चौहान, सत्येंद्र सैनी, दिनेश, कुनाल सैनी, लेखपाल, सेंसर पाल, टिंकू पाल, प्रिंस राघव, नीलेंद्र राघव, अमित यादव, दिनेश भारद्वाज, विमल कुमार, संजय कुमार, राहुल चौधरी, शिवम गोस्वामी, ओमवीर सिंह राघव, इंद्रजीत सिंह यादव, कंचन राघव, रितिका राघव इत्यादि उपस्थित रहे।

कांवड़ियों को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट,बृजघाट हाईवे पर एएसपी ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- कावड़ और कावड़ यात्रा को लेकर अमरोहा पुलिस पूरी तरह से अलर्ट दिखाई दे रही है।अमरोहा में कावड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जगह-जगह रूट डायवर्जन किया गया है ।वही प्रशासन द्वारा जिन सड़कों पर बिजली की सुविधा नहीं है वहां पर टेंपरेरी लाइन लगाकर लाइट की व्यवस्था की गई है, जिससे कि कावड़ियों को जंगलों के रास्ते से निकलने में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। दिल्ली बरेली नेशनल हाईवे 9 को वन वे कर दिया गया है। प्रशासनिक अधिकारी लगातार जगह-जगह सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी को जहां पर कावड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था हेतु खामियां नजर आ रही है वहां संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जा रहा है। कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था पर 24 घंटे प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी रहे इसके लिए जगह-जगह ड्रोन और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। उधर एएसपी अखिलेश भदौरिया ने बृजघाट पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा।

अवैध रूप से संचालित जच्चा बच्चा केंद्र में एक और जच्चा बच्चा की हुई दर्दनाक मौत

जच्चा बच्चा की हुई मौत के बाद परिजनों ने किया हंगामा

पुलिस ने जच्चा बच्चा केंद्र के प्रबंधक ब एक महिला कर्मचारियों को लिया हिरासत में, मृतक के शवो को सील कर पीएम को जिला मुख्यालय भेजा,

सहसवान/बदायूं (सब का सपना)

एसपी सैनी:- स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अवैध रूप से संचलित जच्चा बच्चा केंद्र को मिले हुए आशीर्वाद के चलते जच्चा बच्चा केंद्रों पर जच्चा बच्चा की मौतो का सिलसिला रुकने के बजाय दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है ऐसी ही एक घटना राजकीय पशु चिकित्सालय के निकट मुख्य मार्ग पर बिना बोर्ड के अवैध रूप से संचलित एक जच्चा बच्चा केंद्र पर तड़के सुबह गर्भवती पत्नी को प्रसव पीड़ा होने पर जांच करने के लिए पति पहुंचा था जहां जच्चा बच्चा केंद्र पर उपस्थित केंद्र प्रबंधक प्रसव के दर्द से तड़प रही महिला को यह कहते हुए भर्ती कर लिया कि उसका समय पूरा है कुछ मिनट के बाद सामान्य रूप से प्रशव करा दिया जाएगा। इसी बीच दर्द से तड़प रही प्रशव को भर्ती हुई महिला का जच्चा बच्चा केंद्र पर उपस्थित स्टाफ कर्मचारियों ने प्रसव कराने का प्रयास किया परंतु प्रसव के दौरान अधिक रक्त स्राव होने के चलते महिला की हालत बिगड़ गई और नवजात बालिका की तत्काल मृत्यु हो गई अधिक रक्तस्राव होने के कारण प्रसूता की हालत बिगड़ती चली गई बिगड़ती हालत को देखकर अस्पताल के प्रबंधक ने उसके पति को हायर सेंटर ले जाने की सलाह दी जैसे ही पति अपनी पत्नी को हायर सेंटर ले जाने के लिए जच्चा बच्चा केंद्र से बाहर निकाला प्रसूता ने तत्काल दम तोड़ दिया जच्चा बच्चा की हुई मौत की खबर से उसका पति दहाड़े मार कर वही रोने लगा उसने

मामले की जानकारी अपने परिजनों को दी तो भारी तादाद में परिजन एवं ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और हंगामा करने लगे हंगामा के बीच उन्होंने जच्चा बच्चा केंद्र प्रबंधक तथा महिला एक स्टाफ कर्मचारियों को पकडकर मारपीट प्रारंभ कर दी मामले की जानकारी जैसे ही पुलिस को मिली भारी तादाद में प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल लेकर मौके पर पहुंच गए और मारपीट कर रहे परिजनों के चुंगल से बा मुश्किल दोनों अस्पताल कर्मचारियों को पुलिस सुरक्षा की घेरे में लेकर थाना कोतवाली पहुंचाया, पुलिस ने जच्चा बच्चा केंद्र को बंद कर वहां पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल की तैनाती कर दी पुलिस ने जच्चा बच्चा केंद्र से मृतक जच्चा बच्चा के शवो को सील करके पीएम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। जानकारी के मुताबिक थाना कोतवाली सहसवान क्षेत्र के ग्राम भवानीपुर खैरू निवासी कयूम पुत्र हसीब की शादी संभल जनपद के थाना कोतवाली गुन्नौर क्षेत्र के एक गांव से 4 वर्ष पूर्व मुस्कान नामक युवती से हुई थी हुई थी। मुस्कान गर्भवती थी बीती रात उसे प्रसव पीड़ा होने लगी तो उसका पति कय्यूम उसे बाइक पर बिठाकर तड़के सुबह 4:00 बजे सहसवान नगर के राजकीय पशु चिकित्सालय के निकट बिना किसी संस्था या बोर्ड के चल रहे अवैध रूप से संचलित जच्चा बच्चा केंद्र पर पहुंचे जहां उन्होंने अपनी पत्नी को दिखाया,कय्यूम ने बताया की जच्चा बच्चा केंद्र पर मौजूद सौरभ मिश्रा नाम के व्यक्ति ने कहा कि तुम्हारी पत्नी की पहले जांच होगी जांच में जो भी होगा उसके बाद भर्ती किया जाएगा सौरव मिश्रा उसकी पत्नी को अंदर ले गए ले जाने के कुछ मिनट के बाद उन्होंने बताया कि तुम्हारी पत्नी मुस्कान का साधारण रूप से प्रसव करा दिया जाएगा परेशान होने की कोई बात नहीं है मैंने कहा कि मैं घर से कोई कपड़ा वगैरह या सामान लेकर भी नहीं आया हूं नहीं मेरे साथ कोई है तो उन्होंने कहा कि जब तक तुम कपड़ा वगैरह सामान मंगवा लो मेरे पास जो धनराशि थी उन्होंने जमा करा ली। बकोल कय्यूम ने बताया कि वह बाहर खड़ा था अपनी पत्नी के चीखने की आवाज सुन रहा था वह दर्द से तड़प रही थी मैं जाकर देखा तो उसे समय मेरी पत्नी को भारी तादाद में रक्तस्राव हो रहा था मैंने सौरव मिश्रा से कहा कि यह तो रक्त स्राव बहुत हो रहा है तो उसने कहा आप चिंता मत कीजिए कुछ देर बाद सब सही हो जाएगा कुछ मिनट के बाद ही मेरी पत्नी ने एक पुत्री को जन्म दिया

जिसकी तत्काल मौत हो गई दर्द से तड़प रही मेरी पत्नी मुस्कान की हालत देखकर मैंने सौरभ मिश्रा से कहा कि मेरी पत्नी की हालत सही नहीं है तो उसने कहा कि इन्हें तत्काल किसी बड़े अस्पताल ले जाओ मैंने कहा तुमने तो यह कहा था कि सब कुछ सामान्य है तो फिर अब मुझे बाहर ले जाने की सलाह क्यों दे रहे हो मैं वाहन लेने के लिए जैसे ही जच्चा बच्चा केंद्र से बाहर आया तो पता चला कि मेरी पत्नी मुस्कान की भी अधिक रक्त स्राव होने के कारण मृत्यु हो गई। मैंने मामले की जानकारी परिजनों को दी तो परिजन पहुंचे बताया जाता है की मौके पर पहुंचे परिजनों ने जच्चा बच्चा केंद्र में प्रबंधक सौरभ मिश्रा तथा ग्राम अमनपुर की एक महिला अस्पताल कर्मचारी के साथ मारपीट एवं तोड़फोड़ प्रारंभ कर दी मामले की जानकारी जैसे ही पुलिस को मिली भारी तादाद में पुलिस पर लेकर प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र बहादुर सिंह तत्काल मौके पर पहुंच गए मृतक जच्चा बच्चा के शवों को कब्जे में लेकर उन्हें सील करके पीएम हेतु जिला चिकित्सालय भेज दियातथा जैसे-तैसे मारपीट कर रहे लोगों से केंद्र संचालक सौरभ मिश्रा तथा महिला अस्पताल कर्मचारियों को बा मुश्किल बचाकर अपनी अभिरक्षा में लेते हुए थाना कोतवाली पहुंचाया तथा हंगामा कर रहे परिजनों एवं ग्रामीणों को जैसे तैसे करके शांत किया एवं जच्चा बच्चा केंद्र को बंद करके सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात कर दिया। प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र बहादुर से जब मोबाइल पर बात की गई उनसे पुलिस सुरक्षा में लिए गए दोनों कर्मचारी के क्या नाम है क्या उनके विरुद्ध कोई अपराध पंजीकृत हुआ है तो उन्होंने बताया की मृतका के परिजनों ने अभी तक कोई प्रार्थना पत्र नहीं दिया है जैसे ही वह प्रार्थना पत्र देंगे उसकी जांच करके कार्यवाही की जाएगी। इधर मृतका के एक रिश्तेदार महिला ने बताया कि उपरोक्त जच्चा बच्चा केंद्र में मेरे ही परिवार के कई बच्चों की प्रसव के दौरान मृत्यु हो चुकी है जब उनसे यह सवाल किया गया कि जब मृत्यु बच्चों की हो चुकी है तो फिर यहां उन्हें लाने की क्या आवश्यकता थी इस पर वह महिला चुप्पी शाद गई। इधर स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के संरक्षण में अवैध रूप से नगर एवं देहात क्षेत्र में पांच दर्जन से ज्यादा जच्चा बच्चा केंद्र में प्रत्येक दिन किसी न किसी जच्चा या बच्चा की मृत्यु लापरवाही के कारण होती रहती है इससे पूर्व भी बीती 12 जून को नगर के मोहल्ला सैफुल्लागंज में सेवानिवृत्ति स्वास्थ्य कर्मचारी महिला द्वारा अवैध रूप से संचालित जच्चा बच्चा केंद्र में नगर के मोहल्ला शाहबाज पुर निवासी अजीम की पत्नी आयशा की प्रसव के दौरान मृत्यु हो गई परिजनों ने संचालिका पर लापरवाही से महिला की मृत्यु होने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया तथा मृतक आयशा की शव को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहसवान पहुंचे जहां चिकित्सा के डॉक्टर बलराम यादव ने थाना कोतवाली पुलिस को मेमो भेज कर पुलिस को अवगत कराया की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक मृतक महिला पहुंची है कृपया कार्यवाही करने का कष्ट करें जिस पर थाना कोतवाली सहसवान से पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर जैसे ही पीएम की कार्यवाही प्रारंभ की तो उसके परिजनों ने पीएम कराने से इनकार कर दिया। इससे पूर्व भी टोल नंबर 4 पर एक जच्चा बच्चा केंद्र में ग्राम मचोना की मढैया निवासी एक प्रसूता की भी मृत्यु अधिक रक्तस्राव होने के कारण हो गई थी चर्चा है की जच्चा बच्चा केंद्र संचालक तथा मृतका के परिजनों द्वारा कोई आर्थिक रूप से समझौते की डील हो गई थी जिसके कारण उन्होंने जच्चा बच्चा केंद्र स्वामी के विरुद्ध कार्यवाही करने से इनकार कर दिया।अवैध रूप से संचालित जच्चा बच्चा केंद्रों पर अनेक नवजात शिशु एवं प्रसूता की मौत हो चुकी है। क्या नगर एवं देहात क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित जच्चा बच्चा केंद्रों पर जिला स्तरीय अधिकारी इन्हें बंद करने के लिए कोई बड़ी कार्रवाई या छापामार अभियान चलाएंगे या फिर यूं ही अशिक्षित लोग इन जच्चा बच्चा केंद्रों में जाकर मौत का सौदा करते रहेंगे।

दिल्ली में इमारत गिरने की क्रोनोलॉजी है डरावनी, 15 साल में इमारत गिरने के 15 बड़े हादसे

नई दिल्ली। शुक्रवार देर रात पुरानी दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में जर्जर हो चुकी इमारत का छज्जा भरभराकर गिर गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई घायल नहीं हुआ। इमारत खाली थी और जर्जर घोषित थी। वहीं, एक अन्य घटना में सदर बाजार के बारह टोंटी चौक पर शनिवार दोपहर इमारत का छज्जा गिर गया। इस घटना में भी किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने राहत बचाव कार्य शुरू किया। दैनिक जागरण में प्रकाशित की गई थी खबर जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार रात करीब साढ़े ग्यारह बजे तुर्कमान गेट स्थित कलां मस्जिद के पास एक जर्जर मकान का छज्जा गिर गया। गनीमत रही कि इसकी चपेट में कोई नहीं आया और मकान भी खाली था। सूचना पर स्थानीय पुलिस और दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और मलबे को हटाया। जांच में पता चला कि नगर निगम द्वारा इमारत जर्जर घोषित थी। इसके अलावा शनिवार दोपहर सदर थाना रोड पर स्थित एक अन्य इमारत का आगे का छज्जा गिर गया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि यहां भी कोई घायल नहीं हुआ। सूचना पर एनडीआरएफ व दमकल की टीम पहंची और मलबा हटाने का कार्य शुरू किया। इमारत जर्जर स्थिति में थी दैनिक जागरण में इस इमारत को लेकर पहले भी खबर प्रकाशित हो चुकी थी।

सावन के भक्तिमय माहौल को कौन करना चाह रहा तबाह, शाहदरा में कांवड़ मार्ग पर मिले कांच के टुकड़े

पूर्वी दिल्ली। शाहदरा जीटी रोड पर बने कांवड़ यात्रा मार्ग पर कांच के टुकड़े पाए जाने से इलाके में हड़कंप मच गया है। शाहदरा से भाजपा विधायक ने आरोप लगाया कि किसी साजिश के तहत शिवभक्तों को नुकसान पहुंचाने के लिए यह कांच जानबूझकर सड़क पर फेंका गया है। शनिवार देर शाम इस घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। विधायक ने खुद सड़क से उठाए कांच के टुकड़े भाजपा विधायक संजय गोयल ने बताया कि उन्हें चिंतामणि चौक से लेकर शाहदरा फ्लाईओवर तक बने कांवड़ मार्ग पर कांच पड़े होने की सूचना शनिवार शाम को मिली। इसके बाद वे भाजपा कार्यकताओं के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि करीब एक किलोमीटर तक सड़क पर जगह-जगह कांच के टुकड़े बिखरे हुए थे। विधायक ने खुद सड़क से कुछ कांच के टुकड़े इकट्ठा किए और इसे श्रद्धालुओं के खिलाफ साजिश करार दिया। शिवभक्तों को चोट पहुंचाने की साजिश का आरोप विधायक गोयल ने कहा कि यह कांच जानबूझकर कांवड़ यात्रा को बाधित करने और शिवभक्तों को घायल करने के इरादे से सड़क पर फेंका गया है। उन्होंने कहा कि इस घटना को हल्के में नहीं लिया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि इस मामले में एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। साजिश करने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी घटना की गंभीरता को देखते हुए पीडब्ल्यूडी और नगर निगम के कर्मचारियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। कर्मचारियों ने सड़क से कांच के टुकड़ों को उठाकर मार्ग को फिर से साफ कराया, ताकि कांवड़ यात्रा में किसी भी प्रकार की बाधा न आए। दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने भी घटना का संज्ञान लेते हुए कहा कि शरारती तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय तैयार कर रहा उच्च शिक्षा का नया खाका, प्रत्येक कॉलेज में इनक्यूबेटर शुरू करने की योजना

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक मजबूत भविष्य की नींव रख रहा है। शनिवार को कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यकारी परिषद (ईसी) की 1276वीं बैठक में न केवल शैक्षणिक संरचना को सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया, बल्कि ढांचागत विकास, डिजिटल संसाधनों और वैश्विक मानकों की ओर बढ़ते कदमों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई। चौथे वर्ष के यूजी प्रोग्राम के लिए पूरी तैयारी, आधुनिक सुविधाओं का वादा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के तहत स्नातक स्तर पर चौथे वर्ष के लिए डीयू पूरी तरह तैयार है। कुलपति के अनुसार, लगभग 60 प्रतिशत छात्रों के चौथे वर्ष में प्रवेश लेने की संभावना है। इसके लिए अत्याधुनिक सुविधाएं, डिजिटल लाइब्रेरी, 24७7 ई-रिसोर्सेस और वाइ-फाइ कनेक्टिविटी का विस्तार किया गया है। 65.71 करोड़ की लागत से यह डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है। कुलपति ने यह भी स्पष्ट किया कि चौथे वर्ष के छात्रों को केवल नियमित शिक्षक ही पढ़ाएंगे, जबकि जूनियर कक्षाओं को अतिथि शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाएगा। ओवरटाइम कार्य के लिए शिक्षकों और गैर-शिक्षकीय कर्मचारियों को उचित भुगतान देने की भी घोषणा की गई। शिक्षा के साथ नवाचार: हर कॉलेज में इनक्यूबेटर और सेक्शन-8 कंपनियां कुलपति ने प्रत्येक कॉलेज से एक-एक इनक्यूबेटर शुरू करने और सेक्शन-8 कंपनी की स्थापना करने का आह्वान किया ताकि छात्रों में उद्यमिता को बढ़ावा मिले। 329 करोड़ रुपये के फंड रिलीज के साथ विश्वविद्यालय में 17 परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जिनमें डब्ल्यूयूएस हेल्थ सेंटर, तकनीकी संकाय भवन, सोशल सेंटर स्कूल, कंप्यूटर सेंटर और विज्ञान ब्लाक जैसे प्रमुख निर्माण शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 40 से अधिक मरम्मत और रिनोवेशन प्रोजेक्ट्स पूरे हो चुके हैं। शंकर लाल हाल के पास एक सांस्कृतिक केंद्र, ढाका परिसर में छात्राओं और कामकाजी महिलाओं के लिए हास्टल और दक्षिण परिसर में नए शैक्षणिक भवन, हास्टल और गेस्ट हाउस के प्रस्तावों को भी ईसी से हरी झंडी मिल गई है। रिनोवेशन और सुरक्षा पर भी फोकस ढाका परिसर में पुराने भवनों के संरचनात्मक लेखा-परीक्षण की रिपोर्ट के आधार पर मरम्मत और पुनर्निर्माण की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। रेट्रोफिटिंग कार्यों की निगरानी के लिए एक विशेष उप-समिति का गठन किया गया है।

मुख्य विकास अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी ने विकासखण्ड बहजोई के ग्राम पंचायत पाठकपुर में बनाये गये किष्किन्धा वन का किया निरीक्षण

किष्किन्धा वन में लगाये गये पौधों की की जाए उचित देखरेख... मुख्य विकास अधिकारी

किष्किन्धा वन में जो पौधे खराब स्थिति में हैं उनके स्थान पर नये पौधे लगाये जाएं... अपर जिलाधिकारी

बहजोई/संभल (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट तथा अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा द्वारा विकासखण्ड बहजोई के ग्राम पंचायत पाठकपुर में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के अभिनव प्रयोग किष्किन्धा वन में 9 जुलाई को वृहद स्तर पर किये गये पौधारोपण जिसमें मण्डलायुक्त मुरादाबाद आंजनेय कुमार सिंह द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया था,का निरीक्षण किया तथा पौधों की स्थिति को देखा। अपर जिलाधिकारी द्वारा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि किष्किन्धा वन में जो भी पौधा खराब हो गया है उसके स्थान पर नया पौधा लगाया जाए तथा इसकी नियमित देखरेख की जाए, अगर पौधों की देखरेख में लापरवाही संज्ञान में आयी तो संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि किष्किन्धा वन में किये गये पौधों की उचित देखरेख की जाए इसके उपरांत मुख्य विकास अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी ने सादातवाड़ी स्थित प्राचीन श्री पातालेश्वर महादेव जी के मंदिर पर श्रावण मास के प्रथम सोमवार को शिवभक्तों द्वारा किये जाने वाले जलाभिषेक की तैयारियों को लेकर निरीक्षण किया । बैरिकेडिंग एवं साफ सफाई तथा पार्किंग आदि की व्यवस्था को लेकर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा मंदिर में जाकर महादेव जी के दर्शन किये। इस अवसर पर जिला पंचायती राज अधिकारी उपेन्द्र कुमार पाण्डेय तथा जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार एवं खण्ड विकास अधिकारी बहजोई ओमवीर सिंह तथा वन रैंजर चंदौसी प्रभात शर्मा एवं ग्राम प्रधान पाठकपुर तथा ग्राम प्रधान सादातवाड़ी लखन यादव एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनकपुरी के दिल्ली हाट में न शिल्पकारों की हलचल, न ग्राहकों की चहलकदमी; पसरा रहता है तो केवल सन्नाटा

पश्चिमी दिल्ली। देशी व विदेशी पर्यटकों के पसंदीदा आइएनए स्थित दिल्ली हाट का करीब दो वर्ष पूर्व जब मेकओवर किया जा रहा था, तब लोगों को उम्मीद थी कि पीतमपुरा व जनकपुरी स्थित अपेक्षाकृत कम प्रसिद्ध दिल्ली हाट को पर्यटकों के बीच लोकप्रियता मिले, इसकी कोशिश होगी, लेकिन अफसोस कि बात है कि ऐसा नहीं हुआ औ इससे भी बड़ी बात है कि ऐसा हाल फिलहाल होगा, यह भी नजर नहीं आ रहा है। उधर दिल्ली पर्यटन के अधिकारियों का कहना है कि आइएनए जैसा ही जनकपुरी व पीतमपुरा का दिल्ली हाट भी लोकप्रिय बने, इसके लिए प्रयास चल रहे हैं। लेकिन यह पूछने पर कि क्या प्रयास चल रहे हैं, अधिकारियों के पास इसका स्पष्ट उत्तर नहीं था। जनकपुरी स्थित दिल्ली हाट को पर्यटकों के लिए वर्ष 2014 में खोला गया था। करीब 120 करोड़ की लागत से बने इस हाट को लेकर तब सभी ने यह उम्मीद जाहिर की थी, इससे न सिर्फ जनकपुरी बल्कि पूरे पश्चिमी दिल्ली में पर्यटन का द्वार खुलेगा। यह जगह दिल्ली आने वाले देशी विदेशी सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। आज पूरे हाट परिसर में वीरानगी का आलम है इक्का दुक्का स्टाल छोड़ दें तो सभी स्टाल बंद हैं। न पर्यटक न कारीगर, यहां किसी की कोई हलचल नजर नहीं आती है। कुछ लोग जो यहां नजर भी आते हैं, वे अक्सर आते हैं, क्योंकि उन्हें यहां की वीरानगी में फुर्सत के दो पल मिल जाते हैं। कोई खरीदार या शिल्पकला में रुचि रखने वाले लोग जिन्हें यहां की स्थिति पता है, वे यहां बिल्कुल नहीं आते हैं। क्योंकि उन्हें पहले से पता होता है कि यहां आने से कुछ भी हासिल नहीं होगा। फूड कोर्ट पर नहीं मिलता पूरे भारत का स्वाद दिल्ली हाट के फूड कोर्ट को विशेष तौर पर बनाया गया था। एक राज्य एक स्टाल की अवधारणा पर इसे विकसित किया गया था। सोच यह थी कि आपको जिस राज्य का खानपान पसंद हो या जिस राज्य के खानपान का स्वाद लेना चाहें आपको उस राज्य के स्टाल पर वह स्वाद मिले। लेकिन जब पर्यटक ही नहीं तो स्टाल का क्या फायदा। 29 स्टाल में चार या पांच स्टाल ही आपको खुले नजर आएंगे। पूरे फूड स्टाल पर वीरानगी पसरी रहती है।

नशे में धुत ऑडी ड्राइवर का कहर: दिल्ली में फुटपाथ पर सो रहे पांच लोगों को रौंदा, एक आठ साल की बच्ची भी शामिल

नई दिल्ली। वसंत विहार इलाके में नौ 8 और 9 जुलाई की देर रात नशे में धुत एक तेज रफ्तार ऑडी कार चालक ने फुटपाथ पर सो रहे पांच लोगों को कुचल दिया। घटना को अंजाम देने के बाद चालक कार समेत भागने की कोशिश की, लेकिन उसकी कार एक ट्रक से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस ने कार चालक शेखर (40) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उधर पुलिस ने घायलों लाधी (40), उनकी बेटी बिमला (8), पति साबामी उर्फ चिरमा (45), राम चंदर (45) और उसकी पत्नी नारायणी (35) को

इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मेडिकल जांच में कार चालक के शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ शराब के नशे में लापरवाही से वाहन चलाने से हुआ हादसा का मामला दर्ज कर लिया है। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि घटना 8 और 9 जुलाई की देर रात करीब 1.45 बजे हुई थी। घायल होने वाले दोनों परिवार के सदस्य मूलतः राजस्थान के रहने वाले हैं और मजदूरी करते हैं। घायल साबामी ने पुलिस को बताया कि घटना के समय सभी फुटपाथ पर सो रहे थे। इसी दौरान सफेद रंग की कार ने उन्हें कुचल दिया। घटना के बाद चालक कार समेत भाग गया। इसी दौरान एक शख्स उनके पास आया और कागज पर कार नंबर दिया। इसी बीच घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सफदरजंग अस्पताल पहुंचाया। मामले की जांच के दौरान ही पुलिस को पता चला कि एक ऑडी कार ने एक ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। मौके पर पहुंची पुलिस को कार नंबर के जरिए पता चला कि यह वही कार है, जिसने फुटपाथ पर लोगों को कुचला है

दिल्ली के नालों में गिरकर कैसे मर रहे बच्चे, जिम्मेदार कौन? प्रशासन, सरकार या कोई और...

बाहरी दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी जिले के रामगढ़ गांव में गत रविवार को खुले नाले में गिरने से चार साल के बच्चे की मौत पर पुलिस ने लापरवाही का मामला दर्ज किया है। लेकिन किसके विरुद्ध, यह एफआईआर में नहीं है। यही अक्सर होता है। इस तरह के मामलों में इसी वजह से जांच भी नाले में गाद की तरह जम जाती है। पुलिस कहती है कि जांच के बाद हम संबंधित विभाग या अधिकारी के खिलाफ नामजद एफआईआर करेंगे, लेकिन ऐसा कम ही मामलों में देखा जाता है। पीड़ित परिवारों का कहना है कि नामजद एफआईआर नहीं होने के कारण जांच भी शिथिल पड़ जाती है। पुलिस आखिर तक यह पता नहीं लगा पाती है कि लापरवाही का जिम्मेदार अधिकारी कौन है। यही वजह है कि ऐसे मामलों में सजा सुनने को कम ही मिलते हैं। केस-1 : चार साल में एफआइआर की कापी तक नहीं मिली 9 सितंबर 2021 किराड़ी के रमेश एन्क्लेव से गुजर रहे सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग के नाले में डूबकर सात वर्षीय नसरीन की मौत हो गई थी। नाले की दीवार छोटी होने के कारण बच्ची खेलते हुआ गिर थी। सिंचाई व बाढ़

नियंत्रण विभाग की लापरवाही से यह हादसा हुआ था। करीब चार वर्ष बीत जाने के बाद भी दीवार की ऊंचाई नहीं बढ़ाई। पिता निजाम ने बताया कि आज तक उन्हें एफआईआर की कापी नहीं मिली। एसडीएम रोहिणी की ओर से मुआवजे की रकम के लिए वर्ष 2023 में कागजात जमा कराने के लिए कहा गया था। उन्होंने कागजात भी जमा कराए। अब अमन विहार थाने से इसपर रिपोर्ट मांगी गई है। अभी तक उन्हें इस मामले में नहीं प्रशासन और नहीं विभाग की ओर से कोई मदद मिली। केस-2 : 11 महीने बाद भी नहीं मिला इंसाफ 10 अगस्त 2024 रोहिणी सेक्टर-20 स्थित डीडीए के पार्क में बने छठ घाट में वर्षा का पानी भरा हुआ था। आठ वर्षीय तरुण खेलते हुए छठ घाट के अंदर गिर गया। डूबने से उसकी मौत हो गई थी। मृतक अरुण के मामा ने बताया कि पुलिस के अनदेखी के कारण मामला दब गया। पुलिस ने उस समय लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया। जांच के बाद भी संबंधित विभाग के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। कई बार वे थाने का चक्कर लगाए, लेकिन कुछ हुआ ही नहीं। इस हादसे के बाद पीड़ित परिवार से न तो किसी विभाग से कोई आया और नहीं प्रशासन की ओर से किसी भी तरह की कोई मदद मिली। केस-3 : जद्दोजहद के बाद पुलिस ने की नामित एफआइआर 03 मार्च 2024 अलीपुर स्थित मोहम्मद पुर गांव में दिल्ली जलबोर्ड की सीवर लाइन डालने के लिए खोदाई चल रही थी। साइट पर सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं थे।

माड़ीपुर रेलवे ओवरब्रिज हुआ जर्जर, कई जगह आए क्रैक्स

-अभियंताओं की टीम ने किया निरीक्षण, जल्द मरम्मत कराने की कही बात

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। मालगाड़ी के टकराने से टूटा माड़ीपुर रेलवे ओवरब्रिज कई जगहों से जर्जर हो गया है। अभियंताओं की टीम ने निरीक्षण के बाद विशेषज्ञ से इसका आडिट कराने की अनुशंसा की है। बता दें 1970 में इस पुल का निर्माण कराया गया था। रेलवे और पथ निर्माण विभाग द्वारा बनाया गया यह पुल काफी अहम है। 2013 में एक मालगाड़ी के टकराने से यह पुल बीच से टूट गया था। 2014-15 में मरम्मत के बाद इस पर फिर परिचालन शुरू हो गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुल की स्थिति का अभियंताओं की टीम ने एक जुलाई को निरीक्षण किया था। रिपोर्ट में कहा गया कि पांच सौ मीटर लंबे और करीब 7.5 मीटर चौड़े इस पुल के पाए का प्लास्टर झड़ रहा है। इसके अलावा इसके कैप का कंक्रीट भी झड़ रहा है। इससे इसका छड़ दिख रही है। इसमें जंग लग गया है। सुपरस्ट्रक्चर स्लैब के 100 फिट भाग का आरसीसी भी डैमेज पाया गया। इसके छड़ में भी जंग लग गया है। पुल की रेलिंग में क्रैक्स पाए गए हैं। इसे देखते हुए इस ओवरब्रिज की स्थिति अच्छी नहीं है। इसकी जल्द ही मरम्मत कराना जरूरी है। अभियंताओं ने इसका आडिट कराने या अन्य निर्णय के लिए डीएम से मार्गदर्शन मांगा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुल पर रात में मालवाहक एवं भारी वाहनों का परिचालन होता है। शहर के मुख्य बाजार एवं बाबा गरीबनाथ मंदिर जाने का भी यह अहम रास्ता है।

भारी बारिश में रीवा एयरपोर्ट की दीवार गिरी, 500 करोड़ से किया गया था निर्माण

रीवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के रीवा में 24 घंटे की बारिश में हाल ही बने एयरपोर्ट की बाउंड्री वॉल गिर गई। इस एयरपोर्ट के निर्माण में करीब 500 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। 15 फरवरी 2023 को शिलान्यास के बाद एयरपोर्ट करीब डेढ़ साल में बनकर तैयार हुआ था। पीएम मोदी ने 20 अक्टूबर 24 को इसका वर्चुअल लोकार्पण किया था। इस एयरपोर्ट को बनाने में करीब पांच गांवों की 323 एकड़ जमीन को 99 साल के लिए भारतीय विमान प्राधिकरण को दी गई है। राज्य में भोपाल, जबलपुर, खजुराहो, इंदौर और ग्वालियर के बाद रीवा 6वां एयरपोर्ट है, जिसे डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने लाइसेंस दिया है। यह जिला मुख्यालय से करीब 12 किमी दूर बना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारी बारिश की वजह से एयरपोर्ट एरिया की जमीन धंस गई, जिससे दीवार का एक हिस्सा भरभरा कर गिर गया।

छांगुर बाबा के 18 खातों में 68 करोड़, 7 करोड़ विदेश से फंडिंग

- ईडी को हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में कथित धर्मांतरण गिरोह चलाने वाले जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अब इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एंट्री हो चुकी है और जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। ईडी को बाबा के कुल 30 बैंक खातों में से अब तक 18 की जानकारी मिली है, जिनमें लगभग 68 करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ है। सबसे हैरानी की बात यह है कि केवल बीते तीन महीनों में ही इन खातों में करीब 7 करोड़ की विदेशी फंडिंग दर्ज हुई है। यह फंडिंग विभिन्न देशों से कई ट्रांजेक्शन के जरिए की गई, जिससे ईडी को हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका है। सूत्रों के अनुसार यह रकम बाबा के कथित आध्यात्मिक कार्यों के नाम पर भेजी गई, लेकिन असल में इसका उपयोग किस उद्देश्य से हुआ, इसकी जांच जारी है। ईडी अब उनकी संपत्तियों, आयकर रिटर्न, लेन-देन और फर्जी ट्रस्टों के माध्यम से संपत्ति खरीद की गहराई से जांच कर रही है। ऐसा संदेह है कि छांगुर बाबा ने कई संपत्तियाँ अपने सहयोगियों और ट्रस्टों के नाम पर खरीदीं, जिनके पीछे वही असली मालिक हैं। बाकी 12 बैंक खातों की जानकारी मिलने के बाद जांच और तेज़ हो जाएगी। फिलहाल छांगुर बाबा यूपी एटीएस की रिमांड में हैं और ईडी की नजर अब उनके नेटवर्क, विदेशी फंडिंग के स्रोत और धन के उपयोग पर है। आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

दिल्ली में नशे में कार चालक ने फुटपाथ पर सो रहे पांच लोगों को कुचला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के वसंत विहार इलाके में शनिवार देर रात एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। शिवा कैंप के पास फुटपाथ पर सो रहे पांच लोगों को एक तेज रफ्तार सफेद ऑडी कार ने कुचल दिया। हादसे में एक आठ साल की बच्ची समेत सभी घायल हो गए। घायल लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार आरोपी चालक का नाम उत्सव शेखर है, जो 40 वर्ष का और द्वारका का निवासी है। वह नोएडा से द्वारका लौट रहा था और शराब के नशे में गाड़ी चला रहा था। मेडिकल जांच में भी यह बात साबित हुई है। हादसे के बाद आरोपी भागने की कोशिश में एक ट्रक से टकरा गया, जिससे कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। चश्मदीदों ने बताया कि करीब 15 लोग फुटपाथ पर सो रहे थे, जिनमें से पांच लोग इस हादसे का शिकार बने। घायल राजस्थान के रहने वाले हैं, जिनमें लाढ़ी (40), उनकी बेटी बिमला (8), पति सबामी उर्फ चिर्मा (45), रामचंदर (45) और उनकी पत्नी नारायणी (35) शामिल हैं। ये सभी मजदूरी करते हैं और भीख मांगकर जीवन यापन करते हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर उसकी कार जब्त कर ली है। आरोपी के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज किया गया है। डीसीपी (दक्षिण पश्चिम) ने बताया कि सभी घायल लोगों की हालत फिलहाल स्थिर है और मामले की गहराई से जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है ताकि हादसे के वक्त की सही परिस्थितियों का पता लगाया जा सके।

कोचिंग सेंटर कल्चर खतरनाक, यह बच्चों के विकास में रुकावट पैदा कर रहा: धनखड़

कोटा (एजेंसी)। कोटा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोचिंग सेंटर कल्चर राष्ट्रीय एजुकेशन पॉलिसी के खिलाफ है। यह कल्चर खतरनाक है। कोचिंग सेंटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को फॉलो नहीं कर रहे हैं। ये उच्च दबाव के क्षेत्र में है, जो बच्चों के विकास में रुकावट पैदा करते हैं। विशेषकर कोटा का युवा यहां के कोचिंग सेंटर की वजह से आगे देखने में असमर्थ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रानपुर स्थित ट्रिपल आईटी के दीक्षांत समारोह में शनिवार को उपराष्ट्रपति ने कहा कि मैं आश्वस्त हूं कि यह हमेशा के लिए नहीं है। समय बदलेगा और बड़ी संख्या में लोगों के माइंडसेट को बदलने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान के शिक्षा मंत्री यहां मौजूद मैं कहना चाहूंगा कि स्कूल-कॉलेज में स्टूडेंट्स की संख्या ज्यादा बढ़े, ऐसी पॉलिसी पर विचार करना चाहिए। धनखड़ ने शिक्षा को फैक्ट्री की तरह संचालित करने की प्रवृत्ति का विरोध करते हुए कहा कि हमें इस असेंबली-लाइन संस्कृति को समाप्त

करना होगा, क्योंकि यह हमारी शिक्षा के लिए खतरनाक है। उन्होंने कोचिंग सेंटरों की ओर से विज्ञापनों पर भारी खर्च की आलोचना की और कहा कि विज्ञापन और होर्डिंग्स पर भारी पैसा बहाया जाता है। यह पैसा उन छात्रों से आता है, जो कर्ज लेकर या बड़ी कठिनाई से अपनी पढ़ाई करते हैं। यह पैसे का उपयुक्त उपयोग नहीं है। ये विज्ञापन भले ही आकर्षक लगे लेकिन हमारी आत्मा के लिए आंखों की किरकिरी बन गए हैं।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि हम गुरुकुल की बात कैसे न करें? हमारे संविधान की 22 दृश्य-प्रतिमाओं में एक गुरुकुल की छवि भी है। हम सदैव ज्ञान-दान में विश्वास रखते हैं। कोचिंग सेंटर को अपने ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में परिवर्तित करने के लिए करना चाहिए। उन्होंने लोगों, समाज और जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि इस समस्या की गंभीरता को समझें और शिक्षा में आत्म नियंत्रण लाने के लिए एकजुट हों।

डिजिटल युग में बदलती वैश्विक शक्ति संरचनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा- 21वीं सदी का युद्ध क्षेत्र अब भूमि या समुद्र नहीं है। पारंपरिक युद्ध अब अतीत की बात हो गई है। आज हमारी शक्ति और प्रभाव 'कोड, क्लाउड और साइबर' से तय होते हैं। समारोह में 189 स्टूडेंट्स को डिग्रियां दी गई। अंकुर अग्रवाल को कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और ध्रुव गुप्ता को इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में गोल्ड मेडल दिया गया। इससे पहले संस्थान में उपराष्ट्रपति ने एक पेड़ पिता के नाम और एक पेड़ मां के नाम लगाया।

सत्ता और पावर में आते ही लोग अहंकारी हो जाते है: नितिन गडकरी

नागपुर (एजेंसी)। यहां एक सम्मेलन में प्राचार्यों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए केंद्रीय परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सत्ता, धन, ज्ञान और सुंदरता प्राप्त करने वाले लोग अक्सर अहंकारी हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि एक बार जब लोग यह मानने लगते हैं कि वे सबसे बुद्धिमान हैं, तो उनकी दृढ़ता दूसरों पर प्रभुत्व में बदल सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा, लेकिन कोई भी खुद को थोपकर महान नहीं बनता।

इतिहास देखिए, जिन्हें अपने लोगों ने स्वीकार किया है उन्हें कभी किसी पर खुद को थोपना नहीं पड़ा। गडकरी ने नेताओं के बीच अहंकार के इस जाल पर दुख जताया। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, मैं सबसे बुद्धिमान हूं। मैं साहब बन गया हूं... मैं दूसरों की गिनती भी नहीं करता। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा अहंकार सच्चे नेतृत्व को कमजोर कर देता है। गडकरी ने शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि यहां तक कि शिक्षक नियुक्तियों में भी घूस ली जाती है। यह बेहद शर्मनाक है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए पूछा, इतनी भ्रष्ट व्यवस्था में सड़कें कैसे बनती हैं? उन्होंने कहा कि कुछ लोग चुनौतियों को अवसर में बदलते हैं, जबकि कुछ मौके बर्बाद कर देते हैं। गडकरी ने सही नेतृत्व की परिभाषा देते हुए कहा कि किसी भी संस्था की ताकत, चाहे वह राजनीति हो, समाज सेवा हो या कॉर्पोरेट, मानवीय रिश्तों में निहित होती है। उन्होंने कहा, आप अपने अधीनस्थों से कैसे व्यवहार करते हैं, यही असली नेतृत्व है। सम्मान मांगने से नहीं मिलता, वह कर्मों से अर्जित होता है। उनकी टिप्पणियों को विपक्ष ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पर परोक्ष हमला बताया। कांग्रेस नेता और पूर्व महाराष्ट्र मंत्री नितिन राऊत ने कहा, गडकरी जी का बयान भाजपा के अंदर फैले अहंकार और आत्मकेंद्रित रवैये पर सीधा इशारा करता है।

महिलाओं के नेतृत्व में होने वाला विकास जम्मू-कश्मीर में शांति व समृद्धि की कुंजी: एलजी

नई दिल्ली(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि आतंकवाद और नशे की लत जैसी चुनौतियों पर काबू पाने तथा एक शांतिपूर्ण व समृद्ध केंद्र शासित प्रदेश बनाने के लिए महिलाओं के नेतृत्व में विकास महत्वपूर्ण है।

सिन्हा दक्षिण कश्मीर के शोपियां के बालापुर में स्थित आर्मी गुडविल स्कूल में महिलाओं के व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने स्कूल और पुलवामा, कुलगाम, बडगाम, अनंतनाग और पंपोर में पांच अन्य उद्यमिता और आजीविका संवर्धन केंद्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण और संवर्धन कौशल पाठ्यक्रम पूरा करने वाली महिला प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया।

उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में जम्मू-कश्मीर में महिला सशक्तीकरण एक जन आंदोलन में तब्दील हो गया है। उन्होंने कहा, 'महिलाओं का सामाजिक व आर्थिक उत्थान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि महिलाओं के नेतृत्व में होने वाला विकास आतंकवाद, नशाखोरी और अन्य सामाजिक बुराइयों पर विजय पाने और एक शांतिपूर्ण व समृद्ध जम्मू-कश्मीर बनाने में हमारी मदद करेगा।

हरिद्वार में कांवड़ लेने पहुंच रहे शिव भक्त, अब तक 6 लाख ने भरे कावड़

-डीएम ने की अपील कांवड़िए पटरी का ही करें उपयोग ताकि परेशानी न हो

हरिद्वार (एजेंसी)। सावन के महीने में हरिद्वार में चल रहे कांवड़ मेले में शिवभक्तों की श्रद्धा देखने को मिल रही है। देश के कई राज्यों से आए श्रद्धालु गंगाजल भरकर अपने-अपने गंतव्यों को जा रहे हैं। मेला प्रशासन के मुताबिक शुक्रवार को करीब 4 लाख शिवभक्तों ने गंगाजल भरकर यात्रा शुरू की, जबकि शनिवार को कांवड़ यात्रियों की संख्या 6 लाख पहुंच गई। जो अब तक के आंकड़ों में सबसे बड़ी संख्या बताई जा रही है। हरिद्वार में कांवड़ यात्रियों की संख्या गुरु पूर्णिमा से शुरू हो गई थी। गुरुपूर्णिमा पर 3.90 लाख शिवभक्तों ने हरकी पैड़ी समेत कई घाटों से गंगाजल एकत्र कर जलाभिषेक के लिए प्रस्थान किया था। अब कांवड़ मेले में दिन-प्रतिदिन शिवभक्तों की संख्या में तीव्र वृद्धि हो रही है।

गंगाजल भरने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी है। पुलिस और प्रशासन द्वारा भीड़ नियंत्रण के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला और मेला

नियंत्रण कक्ष लगातार सक्रिय है। एसएसपी के मुताबिक शुक्रवार व शनिवार करीब दस लाख शिवभक्तों ने जल भरा। सुरक्षा की दृष्टि से ड्रोन कैमरों से निगरानी, जगह-जगह चेक पोस्ट और ट्रैफिक डायवर्जन की प्रभावी व्यवस्था लागू की गई है। महिला सुरक्षा को लेकर भी महिला पुलिस कर्मियों को कई संवेदनशील स्थलों पर तैनात किया है।

जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे कांवड़ यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखें और किसी भी स्थिति में नियमों का उल्लंघन न करें। किसी भी समस्या की स्थिति में कांवड़ नियंत्रण कक्ष के हेल्पलाइन नंबरों पर कॉल करें। प्रशासन की ओर से जो मार्ग व दिशा निर्देश दिए गए हैं उन्हीं के अनुसार चलें। कांवड़ पटरी का ही उपयोग करें। कांवड़ पटरी पर सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। कांवड़ मेले के दृष्टिगत शनिवार को डीएम व एसएसपी ने मेला क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने बताया कि कांवड़ पटरी पर पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य की सुविधा सुचारू है। शनिवार उन्होंने नहर पटरी बहादराबाद, धनौरी, कलियर होते हुए वापस सिटी कंट्रोल रूम तक निरीक्षण किया। कई स्थानों पर कांवड़ यात्रियों से भी बातचीत की। कंट्रोल रूम में सीसीटीवी कैमरों से मेला क्षेत्र की मॉनिटरिंग की जा रही है। बता दें शंकराचार्य चौक और ऋषिकुल तिराह के बीच कांवड़ पटरी के किनारे चद्द को उखाड़कर और लोहे के एंगिल तोड़कर कांवड़िए हाईवे पर आ गए। यह क्रम शनिवार की सुबह से दोपहर तक चलता रहा। दोपहर में जब जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक निरीक्षण के लिए पहुंचे तो उनकी नजर में यह घटनाक्रम आया। जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ियों द्वारा पटरी के किनारे जो हिस्सा तोड़ा गया है, उसे सही कराया जा रहा है, जिससे हाईवे पर आने वाला रास्ता बंद हो सके। कांवड़ यात्रियों के लिए कांवड़ पटरी को पूरी तरह से सुरक्षित और सुविधा युक्त बनाया गया है।

पत्नी बिना ठोस कारण के पति से अलग रहती है तो भरण-पोषण की हकदार नहीं

-इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनाया अहम फैसला, केस वापस फैमिली कोर्ट को भेजा

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भरण-पोषण को लेकर एक अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने साफ कहा कि अगर पत्नी बिना किसी ठोस कारण के पति से अलग रहती है, तो वह पति से गुजारा भत्ता मांगने की हकदार नहीं है। यह फैसला मेरठ की एक फैमिली कोर्ट के आदेश को रद्द करते हुए दिया गया, जिसमें पत्नी को पांच हजार रुपए प्रतिमाह भरण-पोषण देने का आदेश दिया गया था।

बता दें मेरठ के रहने वाले विपुल अग्रवाल ने फैमिली कोर्ट के फैसले के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर की थी। फैमिली कोर्ट ने 17 फरवरी 2025 को आदेश दिया था कि पति विपुल अपनी पत्नी को 5,000 और नाबालिग बच्चे को 3,000 प्रति माह भरण-पोषण के रूप में दें। न्यायमूर्ति सुभाष चंद्र शर्मा की पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि फैमिली कोर्ट के फैसले में स्पष्ट विरोधाभास है।

ट्रायल कोर्ट ने माना था कि पत्नी पर्याप्त कारणों के बिना पति से अलग रह रही है, फिर भी भरण-पोषण देने का आदेश दे दिया गया, जो सही नहीं है। अगर पत्नी बिना वैध कारण के पति से अलग रहती है, तो वह भरण पोषण की हकदार नहीं है। अगर ट्रायल कोर्ट खुद मानता है कि पत्नी के पास अलग रहने का कोई उचित कारण नहीं है, तो फिर भरण-पोषण देना कैसे सही ठहराया जा सकता है? इससे न्यायिक प्रक्रिया में असंगति आती है।

पत्नी और राज्य सरकार के वकीलों ने कहा कि पत्नी पति की उपेक्षा के कारण अलग रह रही है, इसलिए उसे भरण-पोषण मिलना चाहिए, लेकिन कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट का फैसला और उसमें दिए गए तर्क आपस में मेल नहीं खाते हैं। हाईकोर्ट ने मामला फिर से विचार के लिए फैमिली कोर्ट को वापस भेज दिया है। जब तक ट्रायल दोबारा पूरी नहीं हो जाती, तब तक पति को अंतरिम राहत के तहत पत्नी को 3,000 प्रति माह, बच्चे को 2,000 प्रति माह देना होगा। यह फैसला साफ करता है कि सिर्फ अलग रहना ही भरण-पोषण का आधार नहीं हो सकता। महिला को यह साबित करना होगा कि वह उचित कारण से पति से अलग रह रही है।

गडकरी पीएम पद के लिए सही च्वॉइस, बीजेपी करे संघ प्रमुख के बयान का सम्मान

-कांग्रेस विधायक ने मोहन भागवत के 75 साल वाले बयान का समर्थन कर की मांग

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस के एक विधायक ने नितिन गडकरी को पीएम बनाने की मांग की है। उन्होंने इसके लिए संघ प्रमुख मोहन भागवत के रिटायरमेंट वाले बयान का हवाला दिया है। कांग्रेस विधायक बेलूर गोपालकृष्णा कर्नाटक की सागर विधानसभा से विधायक हैं। उन्होंने भागवत के बयान का स्वागत करते हुए कहा कि अगर इसके हिसाब से नरेंद्र मोदी पीएम पद से रिटायर होते हैं तो गडकरी को पीएम बनना चाहिए। वह इस पद के लिए सही च्वॉइस होंगे।

बता दें मोहन भागवत ने कहा था कि 75 साल की उम्र पूरी होने के बाद नेताओं को सत्ता से इस्तीफा दे देना चाहिए। इसके बाद कांग्रेस ने निशाना साधते हुए कहा था

कि मोहन भागवत का इशारा पीएम मोदी के लिए है। पीएम मोदी इस साल 75 साल के होने वाले हैं।

विधायक गोपालकृष्णा ने अपने बयान में कहा है कि अगर भागवत के 75 साल में रिटायरमेंट वाली बात के हिसाब से पीएम मोदी पद से हटते हैं तो नितिन गडकरी को अगला पीएम बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गडकरी पीएम पद के लिए सही च्वॉयस होंगे। उन्होंने कहा कि गडकरी को देश के गरीब लोगों की ज्यादा चिंता है। गोपालकृष्णा ने कहा कि बीजेपी ने 75 साल का होने के बाद बीएस येदियुरप्पा को इस्तीफा देने पर मजबूर किया। उस वक्त उनकी आंखों में आंसू भरे हुए थे। अब बीजेपी को संघ चीफ की इच्छा का सम्मान करना चाहिए और यही फॉर्मूला पीएम पद भी लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश गरीब लोगों की संख्या बढ़ रही है। अमीर और अमीर होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश का धन कुछ लोगों के हाथ में जा रहा है। इसको देखते हुए नितिन गडकरी पीएम पद के लिए सबसे योग्य इंसान हैं। बीजेपी हाईकमान को इस बारे में सोचना चाहिए।

चुनाव आयोग का खुलासा, बिहार की मतदाता सूची में नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश जैसे देशों के नागरिकों के नाम

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बड़ा खुलासा हुआ है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, राज्य की मतदाता सूची में नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश जैसे देशों के विदेशी नागरिकों के नाम शामिल पाए गए हैं। दरअसल घर-घर जाकर किए जा रहे सत्यापन के दौरान यह बात भी सामने आई है कि इन विदेशी नागरिकों के पास वोटर आई कार्ड, आधार कार्ड और राशन कार्ड जैसे दस्तावेज भी हैं। इस खुलासे ने न केवल प्रशासन को, बल्कि सियासी हलकों में भी हलचल पैदा कर दी है। चुनाव आयोग ने साफ किया है कि ऐसे अवैध मतदाताओं के नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं किए जाएंगे। आयोग के मुताबिक, एसआईआर अभियान का मकसद ही फर्जी और गैरकानूनी मतदाताओं को पहचान कर सूची से हटाना है। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार, 1 अगस्त 2025 के बाद उचित जांच के पश्चात ऐसे नामों को 30 सितंबर 2025 को प्रकाशित होने वाली अंतिम सूची में शामिल नहीं किया जाएगा। आयोग ने संकेत दिया है कि फाइनल लिस्ट के साथ इन विदेशी मतदाताओं की संख्या भी सार्वजनिक की जाएगी। फिलहाल मतदाता गणना फॉर्म जमा करने का कार्य अंतिम चरण में है। अब तक 80 फीसदी से अधिक मतदाताओं ने अपना नाम, पता, जन्मतिथि, आधार नंबर, और वोटर आई कार्ड की जानकारी देकर फॉर्म जमा कर दिया है। निर्वाचन आयोग ने इसके लिए 25 जुलाई 2025 की अंतिम तिथि तय की है, लेकिन संभावना है कि तय समय से पहले ही यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। आपको बता दें कि बांग्लादेश और नेपाल की सीमा से सटे बिहार के किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया को सीमांचल नाम से पुकारा जाता है।

सीमांचल में अवैध घुसपैठियों के कारण पूरी तरह बदल गई डेमोग्राफी

सीमांचल में अवैध घुसपैठियों के कारण इस इलाके की डेमोग्राफी पूरी तरह बदल गई है। 1951 से 2011 तक देश की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी जहां चार प्रतिशत बढ़ी है, वहीं सीमांचल में यह आंकड़ा करीब 16 प्रतिशत है। किशनगंज बिहार का ऐसा जिला है, जहां हिंदू अल्पसंख्यक हो चुके हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि सरकारी दस्तावेज में अवैध घुसपैठियों के भारतीय नागरिक के रूप में उनका नाम-मुकाम भी दर्ज हो जा रहा। इसी आधार पर वे तमाम योजनाओं के हकदार भी बन जा रहे हैं। सीमांचल में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों का दबदबा इस कदर बढ़ गया है कि वहां के हिंदू पलायन करने को मजबूर हो गए हैं। सीमांचल कहलाने वाले बिहार के किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया जिलों में बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं के कारण बड़े पैमाने पर जनसांख्यिकीय बदलाव हुए हैं, जिनके कारण इन इलाकों में हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं।

सीमांचल में मुस्लिम आबादी 38 फीसदी से 68 फीसदी तक

बिहार के किशनगंज, कटिहार, अररिया और पूर्णिया जिलों में मुस्लिम आबादी 38 फीसदी से 68 फीसदी तक है। कुछ लोग मानते हैं कि अधिक संख्या में आधार कार्ड बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए बनाए गए हैं। उनका दावा है कि स्थानीय नेताओं और कट्टरपंथी समूहों ने इसमें मदद की है। हाल ही में हुई जातिगत जनगणना से पता चला है कि किशनगंज में मुस्लिम आबादी 68 फीसदी, अररिया में 50 फीसदी, कटिहार में 45 फीसदी और पूर्णिया में 39 फीसदी हो गई है। केंद्र सरकार सीमांचल में हो रहे इन बदलावों को लेकर चिंतित है। रिपोर्ट के मुताबिक

बिहार के इन जिलों में मुसलमानों की आबादी करीब 40 से बढ़कर करीब 70 फीसदी हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीमांचल के कई ऐसे जिले हैं, जहां हिंदू अल्पसंख्यक हो गए और बाद में प्रताड़ना से तंग आकर वहां से पलायन कर गए। अररिया जिले के रानीगंज प्रखंड के रामपुर गांव के हिंदू पलायन कर दोगांछी गांव चले गए। यहां हिंदुओं की आबादी थोड़ी अधिक है।

बिहार में मतदाता गणना फॉर्म जमा करने का कार्य अंतिम चरण में

बहरहाल बिहार में मतदाता गणना फॉर्म जमा करने का कार्य अंतिम चरण में है। अब तक 80 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपना नाम, पता, जन्मतिथि, आधार नंबर, और वोटर आईडी की जानकारी देकर फॉर्म जमा कर दिया है। निर्वाचन आयोग ने इसके लिए 25 जुलाई 2025 की अंतिम तिथि तय की है, लेकिन संभावना है कि तय समय से पहले ही यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

लॉड्र्स टेस्ट- इंग्लैंड की आधी टीम पवेलियन लौटी

सुंदर ने रूट को बोल्ड किया, फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक की; भारत 154 रन से पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट लॉड्र्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। रविवार को मैच का चौथा दिन है और दूसरा सेशन जारी है।

इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 5 विकेट पर 154 रन बना लिए हैं। बेन स्टोक्स और जैमी स्मिथ नाबाद हैं। वॉशिंगटन सुंदर ने जो रूट (40 रन) को बोल्ड करके फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक की।

हैरी ब्रूक (23 रन) को आकाश दीप ने बोल्ड कर दिया। नीतीश रेड्?डी ने जैक क्रॉली (22 रन) को कैच कराया। जबकि, मोहम्मद सिराज ने ओली पोप (4 रन) और बेन डकेट (12 रन) को पवेलियन भेजा।

इंग्लिश टीम ने आज 2/0 के स्कोर से खेलना शुरू किया था। पहली पारी में किसी टीम को बढ़त नहीं मिली, इनमें भारत और इंग्लैंड की टीमें एक समान 387-387 के स्कोर पर ऑलआउट हुईं

स्वियाटेक ने अनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से रौंदकर पहला विंबलडन खिताब जीता

लंदन (एजेंसी)। पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक शनिवार को धमाकेदार अंदाज में विंबलडन 2025 चैंपियन बन गईं। उन्होंने आल इंग्लैंड क्लब के ग्रास कोर्ट पर महिला सिंगल्स फाइनल में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से रौंदा। स्वियातेक ने पहली बार टूर्नामेंट का खिताब जीता है। इस ग्रैंडस्लैम में लगातार आठवीं बार पहली महिला चैंपियन देखने को मिली है। इगा इससे पहले विंबलडन में क्वार्टर फाइनल से आगे तक नहीं बढ़ पाई थीं लेकिन इस बार गदर काट दिया और छठा ग्रैंड स्लैम अपने नाम किया। उन्होंने सेमीफाइनल में बेलिंडा बेनसिच को 6-2, 6-0 से हराने के बाद फाइनल में जगह बनाई थी।

पोलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त इगा ने शुरुआत से ही बढ़त बना ली और महज 57 मिनट में जीत दर्ज की। यह 114 सालों में विंबलडन का पहला महिला फाइनल था, जिसमें प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी एक भी गेम नहीं जीत सकी। स्वियातेक ओपन एरा में फाइनल में कोई भी गेम हारे बिना मेजर टाइटल जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले स्टेफी ग्राफ ने 1988 में आयोजित फ्रेंच ओपन में नतालिया ज्वेरेवा को हराया था। स्टेफी ग्राफ 32 मिनट में चैंपियन बनी थीं। बता दें कि 24 वर्षीय इगा फ्रेंच ओपन में चार और अमेरिकी ओपन में एक ट्रॉफी जीत चुकी हैं।

लॉड्र्स टेस्ट: यह समय की बर्बादी का अब तक का सबसे अच्छा उदाहरण है, क्रॉली की रणनीति पर बोले वॉन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि मौजूदा तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन के अंत में जैक क्रॉली की समय बर्बाद करने की रणनीति 'अब तक की सबसे अच्छी रणनीति' थी, लेकिन उन्होंने कहा कि भारत शिकायत नहीं कर सकता क्योंकि मेहमान टीम ने दूसरे दिन भी यही तरीका अपनाया था।

तीसरे दिन के अंत में उस समय गुस्सा भड़क गया जब इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली की समय बर्बाद करने की रणनीति के बाद भारत एक और ओवर नहीं खेल पाया, जिस पर कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई में मेहमान टीम ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। भारतीय पारी तीसरे दिन 387 रन ढेर हो गई जो इंग्लैंड की पारी के समान थी। दिन का अंत इंग्लैंड ने मामूली 2 रन की बढ़त से किया।

387 रनों पर आउट होने के बाद भारत के पास तीसरे दिन के अंतिम सत्र में दो ओवर फेंकने का पर्याप्त समय था, लेकिन जसप्रीत बुमराह के शुरुआती ओवर के दौरान तीन बार चोट का बहाना बनाने और मैच से बाहर होने की क्रॉली की रणनीति के कारण मैच में देरी हुई। इसका मतलब था कि भारत के पास सिर्फ एक ओवर का समय था, जिससे मेहमान टीम नाराज हो गई क्योंकि इंग्लैंड ने तीसरे

दिन अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 2 रन बना लिए।

वॉन ने कहा कि यह दोनों टीमों के लिए बराबर था, 'यह समय की बर्बादी का अब तक का सबसे अच्छा उदाहरण है।' उन्होंने कहा, 'भारत शिकायत नहीं कर सकता क्योंकि कल गिल की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था, (केएल) राहुल मैदान से बाहर थे और वह पारी की शुरुआत नहीं कर पाते।' उन्होंने कहा, 'कोई भी टीम शिकायत नहीं कर सकता, लेकिन क्या शानदार ड्रामा था और क्या शानदार दिन था। हमें चौथे और पाँचवें दिन का सामना करना है जो शानदार होगा।'

इंग्लैंड के एक अन्य पूर्व कप्तान एलेस्टेयर कुक ने कहा कि 1-1 से बराबरी पर चल रही इस सीरीज को और रोमांचक बनाने के लिए इस तरह के ड्रामा की जरूरत थी। उन्होंने कहा, 'सभी बहुत दोस्ताना रहे हैं, लेकिन 5 मैचों की सीरीज में ऐसा हमेशा होता है। एक-दूसरे के खिलाफ कई बार खेलने के बाद कुछ छोटे-छोटे पल आते हैं।'

मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़कर हरमनप्रीत कौर बनी नंबर-1, भारत ने अपने नाम की सीरीज

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड की सरजमीं पर इतिहास रचते हुए पहली बार इंग्लैंड में टी20 सीरीज अपने नाम की। भले ही टीम को 12 जुलाई को बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेले गए आखिरी टी20 मैच में हार झेलनी पड़ी लेकिन सीरीज भारत ने 3-2 से जीत ली।

इस ऐतिहासिक जीत की अगुवाई हरमनप्रीत कौर ने की। हालांकि,वे बल्ले से खास कमाल नहीं कर पाई लेकिन सिर्फ 15 रन बनाकर आउट हो गईं बावजूद इसके उन्होंने एक बड़ा इतिहास रच दिया।

हरमनप्रीत कौर ने भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटर बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने ये उपलब्धि भारतीय महिला क्रिकेट की दिग्गज बल्लेबाज मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ते हुए हासिल की।

हरमनप्रीत कौर ने कुल 334 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले, जो कि महिला क्रिकेट में भारत के लिए सबससे ज्यादा है। उन्होंने महान बल्लेबाज मिताली राज का 333 मैचों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। हरमनप्रीत अब विश्व की सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला

खिलाड़ियों की लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं।

इस लिस्ट में न्यूजीलैंड की सुजी बेट्स (346 मैच) और ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी (337 मैच) उनसे ऊपर हैं। 36 साल के हरमनप्रीत ने अब तक 8 शतक और 85 अर्धशतक लगाए हैं, जिसमें उनका सबसे ज्यादा व्यक्तिगत स्कोर 171 रन भी शामिल है जो महिला वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा है।

जो रूट का कमाल जारी, सचिन तेंदुलकर की खास क्लब में बनाई जगह

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बेहतरीन जो रूट लगातार रनों की अंबार खड़ा कर रहे हैं। बीते पांच साल में वह 20 शतक जमा चुके हैं। सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा टेस्ट रन के रिकॉर्ड को तोड़ने के रूट काफी करीब है और हाल ही में उन्होंने सचिन के साथ ही एक खास लिस्ट में अपना नाम भी लिखवा लिया है।

भारत और इंग्लैंड के बीच लॉड्र्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में रूट ने ये मुकाम हासिल किया। इस मैच की पहली पारी में रूट के बल्ले से शतक निकला था जिसके दम पर मेजबान टीम ने 387 रनों का स्कोर खड़ा किया था। इस शतक से भी रूट ने कई रिकॉर्ड बनाए थे और दूसरी पारी में भी वह यही कर रहे हैं।

रूट ने इस मैच में बल्लेबाजी करते हुए नंबर-4 पर टेस्ट क्रिकेट में अपने 8000 रन पूरे कर लिए हैं। रूट से पहले इस नंबर पर सिर्फ चार ही बल्लेबाजों ने टेस्ट में 8000 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं। इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली ने भी लंबे समय तक नंबर-4 पर बल्लेबाजी की लेकिन वह भी इस मुकाम को नहीं छू पाए। कोहली के नाम तो टेस्ट में 10,000 रन भी नहीं हैं। टेस्ट में कोहली के नाम 123 मैचों में 9230 रन हैं। चौथे नंबर पर खेलते हुए कोहली ने 7564 रन बनाए हैं। इसके साथ ही रूट के नाम क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉड्र्स पर सबसे ज्यादा शतक जमाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने इस मैदान पर कुल आठ शतक हैं। उनके बाद किसी का नंबर है जो इंग्लैंड के ही माइकल वॉन और ग्राहम गूज का। दोनों के नाम लॉड्र्स में कुल 6-6 शतक हैं।

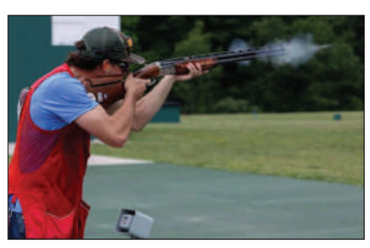

भारत की मिश्रित टीम निशानेबाजी विश्व कप के पदक दौर में जगह बनाने से चूकी

लोनाटो । लक्ष्य श्योराण (22,19,25) और नीरू ढांडा (25,24,25) तीसरी सीरीज में परफेक्ट स्कोर बनाने के बावजूद ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में पदक दौर में जगह बनाने से चूक गए जिसके साथ भारत का अभियान ढ्ढस्स्स्न लोनाटो विश्व कप में समाप्त हो गया। लक्ष्य और नीरू ने क्वालीफाइंग दौर में संभावित 150 में से 140 अंक

बनाए और 54 जोड़ियों में 10वें स्थान पर रहे। जोरावर सिंह संधू (21,23,24) और प्रीति रजक (23,24,23) की दूसरी भारतीय जोड़ी 138 अंक के साथ 22वें स्थान पर रही। एक दिन पहले महिला ट्रैप में चौथे स्थान पर रही नीरू ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 75 में से केवल एक ही निशाना चूका जबकि लक्ष्य दूसरी सीरीज में लय में नहीं दिखे और छह निशाने चूक गए जिससे भारतीय जोड़ी की पदक दौर में जगह बनाने की संभावनाओं को झटका लगा। ऑस्ट्रेलिया, ग्रेट ब्रिटेन और स्पेन की दोनों टीम 143 अंक के समान स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहीं। पिछले निकोसिया शॉटगन विश्व कप की मिश्रित टीम स्पर्धा में काइनन चेनाई और सबीरा हारिस की भारतीय जोड़ी ने कांस्य पदक जीता था। यह स्पर्धा 2028 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में पहली बार आयोजित की जाएगी।

अभी रिटायरमेंट लेने का कोई इरादा नहीं : नोवाक जोकोविच

लंदन। विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हार के बाद नोवाक जोकोविच ने अपने प्रशंसकों को यह साफ संदेश दिया है कि वह अभी रिटायरमेंट लेने का कोई इरादा नहीं रखते। शुक्रवार को सेंटर कोर्ट पर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर से सीधे सेटों में 6-3, 6-3, 6-4 से हार झेलने के बाद जोकोविच ने कहा कि यह उनका विंबलडन करियर खत्म करने वाला मैच नहीं था। 38 वर्षीय जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'मैं आज अपना विंबलडन करियर खत्म करने की योजना नहीं बना रहा हूं। मैं निश्चित रूप से कम से कम एक बार और वापसी की योजना बना रहा हूं।' उनकी इस हार ने न सिर्फ रोजर फेडरर के आठ विंबलडन खिताब के रिकॉर्ड की बराबरी करने बल्कि अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की उम्मीदों को भी तोड़ दिया। क्वार्टर फाइनल के दौरान चोटिल होने के बाद जोकोविच सेमीफाइनल में पूरी लय में नजर नहीं आए। उन्होंने कहा कि वे अपनी चोट के बारे में विस्तार से बात नहीं करना चाहते, लेकिन प्रदर्शन से जरूर निराश हैं। मैच के दौरान तीसरे सेट से पहले जोकोविच ने अपने बाएं पैर के ऊपरी हिस्से के उपचार के लिए ट्रेनर को बुलाया और इसके बाद शुरुआती तीन गेम जीतने में सफल रहे। हालांकि, वे असहज महसूस करते रहे और आखिरी सात गेम में से छह हार गए। उनके प्रतिद्वंद्वी सिनर ने भी माना कि तीसरे सेट में जोकोविच की तकलीफ साफ दिख रही थी और वे सहज नहीं थे।

14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, आईपीएल से लेकर इंग्लैंड में मचाई धूम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 से भारतीय क्रिकेट को एक नया सितारा मिल गया है। बिहार के समस्तीपुर में जन्मे महज़ 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपनी धमाकेदार बल्लेबाज़ी से सबको चौंका दिया है। आईपीएल से लेकर इंग्लैंड दौरे तक उन्होंने अपनी प्रतिभा का ऐसा जलवा दिखाया कि विशेषज्ञ भी उनकी तुलना सचिन तेंदुलकर और ब्रायन लारा जैसे दिग्गजों से करने लगे हैं। वैभव सूर्यवंशी आईपीएल खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 2025 की नीलामी में 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा। उन्होंने 14 साल और 23 दिन की उम्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में डेब्यू किया। पहले ही मैच में 20 गेंदों पर 34 रन ठोक दिए।

आईपीएल-2025 में वैभव ने 7 मैच खेले और 36 की औसत से 252 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और एक अर्धशतक निकला। उन्होंने 24 छक्के और 18 चौके जड़ते हुए दिखा दिया कि उम्र महज एक नंबर है। राजस्थान के बाद, वैभव को भारत की अंडर-19 टीम

में इंग्लैंड दौरे के लिए चुना गया। वहां भी उन्होंने मौके को हाथ से जाने नहीं दिया। पांच यूथ वनडे में उन्होंने 48, 45, 86, 143 और 33 रन की पारियां खेलीं। सबसे खास पारी रही चौथे वनडे में 143 रन की। उन्होंने महज 52 गेंदों में शतक पूरा किया और 78 गेंदों पर 10 छक्के और 13 चौके लगाते हुए 143 रन बनाए। इसी के साथ वैभव सूर्यवंशी यूथ वनडे में सबसे तेज शतक बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने नजमुल हसन शांतो का रिकॉर्ड तोड़ा। वैभव ने 14 साल और 100 दिन की उम्र में यह कारनामा किया। इस मैच में उन्होंने विहान मल्होत्रा (129) के साथ 219 रन की साझेदारी कर भारत को 55 रन से जीत दिलाई।

वैभव के बारे में विशेषज्ञ कहते हैं कि उनमें सचिन तेंदुलकर की तकनीकी नजाकत और ब्रायन लारा जैसा अटैकिंग अंदाज नजर आता है। हालांकि कुछ कोच उन्हें पृथ्वी शॉ की गलतियों से सीखने की सलाह भी देते हैं। घरेलू क्रिकेट में भी वैभव ने रिकॉर्ड कायम किया। 13 साल 269 दिन की उम्र में लिस्ट-ए क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा भारतीय बने। बिहार की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में मध्य प्रदेश के खिलाफ डेब्यू किया। वह आधुनिक युग में प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी भी हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वैभव ने 5 मैचों की 10 पारियों में 100 रन बनाए। छह लिस्ट-ए मैचों में 22 की औसत से 132 रन उनके नाम हैं। हालाँकि यह आंकड़े दिखाते हैं कि अभी उन्हें घरेलू क्रिकेट में और मेहनत करनी होगी। फिटनेस के लिए जरूरी यो-यो टेस्ट पास करना आधुनिक क्रिकेट का अहम हिस्सा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर वैभव अपनी फिटनेस और जज्बा बनाए रखें, तो वह भविष्य में भारतीय टीम के स्टार सलामी बल्लेबाज़ बन सकते हैं।

पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार डायमंड लीग में नीरज और अरशद में होगी प्रतिस्पर्धा

सिलेसिया। भारत के नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम के बीच 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया में होने वाली डायमंड लीग भाला फेंक (डीएल) स्पर्धा में टक्कर होगी। पेरिस ओलंपिक के बाद ये दोनो के बीच पहला मुकाबला होगा और ऐसे में सभी की नजरें इस पर लगी रहेंगी। अरशद ने पेरिस में 92.97 मीटर के शानदार थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जबकि नीरज ने रजत पदक जीता था। नीरज टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता होने के साथ ही विश्व चैम्पियन भी हैं। चोपड़ा को हालांकि पेरिस में 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। विश्व एथलेटिक्स के एक बयान में कहा गया है कि चोपड़ा और नदीम सिलेसिया डायमंड लीग में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे। सिलेशिया डायमंड लीग के आयोजकों ने भी नीरज और अरशद के बीच इस मुकाबले की पुष्टि करते हुए कहा कि यह नीरज के लिए पिछली हार का बदला लेने का अच्छा अवसर हो सकता है। आयोजकों ने प्रतिष्ठित डायमंड लीग स्पर्धा के प्रतिभागियों की घोषणा करते हुए कहा, 'पोलैंड के प्रशंसकों को नीरज और अरशद नदीम के मुकाबले का बेसब्री से इंतजार है।' आयोजकों ने कहा, 'अरशद यूरोपीय सर्किट में ज्यादा स्पर्धाओं में भाग नहीं लेते है ऐसे में उनके प्रदर्शन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। वह रज वहीं चोपड़ा हाल ही में 90 मीटर की बाधा पार करने वाले दुनिया के 26वें भाला फेंक खिलाड़ी बने हैं। चोपड़ा ने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। सिलेशिया डायमंड लीग के आयोजकों ने कहा, 'इस सत्र में वह 90 मीटर से अधिक थ्रो करने वाले इतिहास के 26वें खिलाड़ी बन गए हैं। वह निश्चित रूप से इसे और बेहतर करना चाहेगे।' पुरुषों की भाला फेंक में मौजूदा विश्व चैंपियन और मौजूदा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता के बीच मुकाबला सिलेसिया डायमंड लीग के मुख्य आकर्षणों में से एक होने वाला है। चोपड़ा ने पेरिस खेलों के बाद कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, जिसमें चार डायमंड लीग मीट, पोलैंड के चोरजो और चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा में दो अन्य शीर्ष-श्रेणी की प्रतियोगिताएं भी शामिल है।

मैं अभी और टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं, चयनकर्ताओं से संपर्क भी किया : रहाणे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो वर्षों से कोई टेस्ट मैच नहीं खेलने वाले 37 वर्षीय अजिंक्य रहाणे की भूख और जुनून अभी बाकी है। उन्होंने इस संबंध में चयनकर्ताओं से संपर्क करने की कोशिश भी की थी लेकिन उन्हें चयनकर्ताओं की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। रहाणे इस समय लंदन में हैं और उन्हें स्काई स्पोर्ट्स में नासिर हुसैन और माइकल आथर्टन से बात करते हुए कहा, 'मैं अभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मेरे अंदर टेस्ट क्रिकेट खेलने का जुनून बाकी है और इस समय मैं अपनी क्रिकेट का लुत्फ उठा रहा हूं। मैं यहां सिर्फ कुछ दिनों के लिए आया हूं और अपने ट्रेनिंग के कपड़े भी साथ लाया हूं ताकि मैं खुद को फिट रख सकूं। हमारा घरेलू सीजन शुरू होने वाला है इसलिए तैयारी अभी शुरू ही हुई है।'

जब रहाणे से पूछा गया कि विराट कोहली

और रोहित शर्मा सरीखे सीनियर खिलाड़ियों के संन्यास के बाद भारतीय टीम युवा खिलाड़ियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है ऐसे में उनके सामने टेस्ट में वापसी करने के लिए कैसी चुनौतियां हैं तो उन्होंने कहा कि उनका ध्यान सिर्फ उन चीजों पर है जिन पर उनका नियंत्रण है। नए कप्तान शुभमन गिल ने कोहली की जगह चौथे नंबर पर ले ली है, जबकि उप-कप्तान ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर आ गए हैं।

पुराने खिलाड़ियों में से, केएल राहुल ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जो अभी भी चयनकर्ताओं की योजनाओं में मजबूती से शामिल हैं। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद रहाणे बेफिक्र हैं और घरेलू क्रिकेट के प्रति अपने समर्पण के जरिए वापसी की कोशिश कर रहे हैं। टेस्ट टीम से बाहर होने के बाद से रहाणे ने लगातार दो रणजी ट्रॉफी सीजन में मुंबई का नेतृत्व किया है, जिसमें टीम ने 2023-24 में अपना 42वां खिताब जीता, जबकि 2024-25 में उपविजेता रही। वह सैयद मुश्ताक अली (टी20) खिताब जीतने वाली मुंबई टीम का भी हिस्सा थे।

रहाणे ने 2024-25 के रणजी सीजन में 14 पारियों में 35.92 की औसत से एक अर्धशतक और एक शतक सहित 467 रन बनाए। वह निराशाजनक IPL 2025 के दौरान कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जहां उनकी टीम 10 टीमों में से आठवें स्थान पर रही। रहाणे ने 14 पारियों में 147.27 के स्ट्राइक रेट से 390 रन बनाए। रहाणे ने कहा, 'मैं सिर्फ उन्हीं चीजों पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं जो मेरे नियंत्रण में हैं।

राहणे ने कहा, 'सच कहूं तो मैंने इस संबंध में चयनकर्ताओं से बात करने की कोशिश भी की लेकिन बतौर खिलाड़ी ऐसी चीजें मेरे नियंत्रण में नहीं होती। मुझे कोई जवाब नहीं मिला। एक क्रिकेटर के तौर पर मैं बस इतना ही कर सकता हूं कि मैं क्रिकेट खेलूं, खेल का आनंद लूं और हर मौके पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूं। मुझे टेस्ट क्रिकेट खेलना बहुत पसंद है। खेल के प्रति मेरा प्रेम ही मुझे लगातार अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है।'

बुमराह सबसे अधिक बार शून्य पर आउट होने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बने, 35 वहीं बार खाता नहीं खोल पाये

लॉड्र्स। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमाराह अब तक इंग्लैंड दौरे में रनों के मामले में असफल रहे हैं। बुमराह ने अभी तक इस दौरे में तीन बार बल्लेबाजी की है और तीनो में ही वह अपना खाता नहीं खोल पाये। इस प्रकार बुमराह ने इस सीरीज में शून्य पर आउट होने की हैट्रिक लगायी है। पिछली 7 पारियों में वह 6 बार 0 पर आउट हुए हैं। इसी के साथ उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की अनचाही सूची में सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा को भी पछड़ दिया है। लॉड्र्स टेस्ट में 0 पर आउट होने के बाद बुमराह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 35 वीं बार पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं। वहीं सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा 34-34 बार अपना खाता नहीं खोल पाये हैं। सबसे ज्यादा बार 0 पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की सूची में बुमराह अब संयुक्त रूप से पांचवें पायदान पर हैं। उनके अलावा पूर्व कप्तान अनिल कुंबले भी 35 बार अपने करियर में 0 पर आउट हुए हैं।

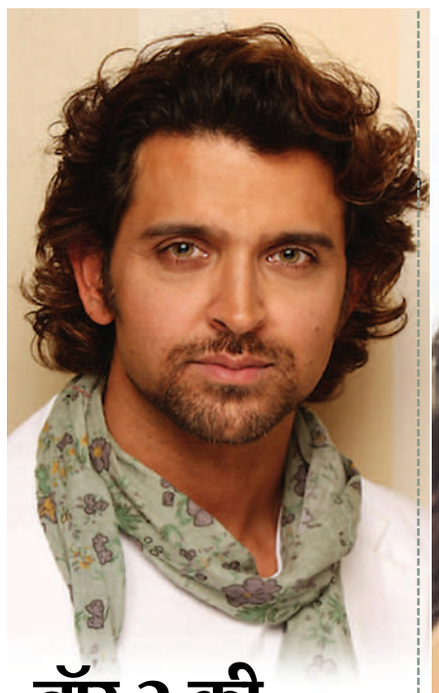

वॉर 2 की शूटिंग पूरी होने पर भावुक हुए ऋतिक रोशन

फिल्म वॉर 2 की शूटिंग पूरी हो गई है। इस फिल्म में ऋतिक रोशन एक बार फिर कबीर के रूप में वापसी कर रहे हैं। उनके अलावा फिल्म में साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और अभिनेत्री कियारा आडवाणी भी हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर ऋतिक रोशन भावुक महसूस कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है। ऋतिक रोशन ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट से आज मंगलवार को एक पोस्ट शेयर किया है। शूटिंग पूरी होने पर टीम ने केक काटा है। इसके साथ ऋतिक रोशन ने लिखा है, फिल्म वॉर 2 के लिए कैमरा बंद होने के बाद मिली-जुली भावनाएं महसूस हो रही हैं। 149 दिनों तक लगातार रोलिंग, एक्शन, डांस, ब्लड, पसीना, चोटें... और इस सबकी कीमत वसूल हुई है!

जूनियर एनटीआर और कियारा को कहा शुक्रिया

ऋतिक ने पोस्ट में जूनियर एनटीआर को टैग करते हुए लिखा है, सर, आपके साथ काम करना और साथ मिलकर कुछ विशेष बनाना मेरे लिए सम्मान की बात है। वहीं कियारा आडवाणी को टैग करके लिखा है, मैं बहुत उत्साहित हूं कि दुनिया आपके घातक पक्ष को देखे, आपके साथ स्क्रीन साझा करना शानदार अनुभव रहा।

अगस्त में रिलीज होगी फिल्म

ऋतिक रोशन ने आगे लिखा है, मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि आप सभी आदि और अयान के कमाल के सिनेमाई विजन को देखें। वॉर 2 के सभी कलाकारों और क्रू को, अपनी प्रतिभा को साझा करने और हर एक दिन अपना बेस्ट देने के लिए तहेदिल से शुक्रिया। आखिर में, कबीर के शूटिंग का खत्म होना कहना हमेशा कड़वा-मीठा अनुभव होता है। मुझे फिर से खुद जैसा महसूस करने में कुछ दिन लगेंगे। अब 14 अगस्त, 2025 को आप सभी के सामने अपनी फिल्म पेश करने की यात्रा पर निकल पड़े हैं।

स्पाई थ्रिलर फिल्म है वॉर 2

यह फिल्म साल 2019 में आई ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर का ही सीक्वल है। अयान मुखर्जी ने सीक्वल का निर्देशन किया है। इसे यशराज फिल्म्स के बैनर तले आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह स्पाई थ्रिलर फिल्म है। तेलुगु में वॉर 2 के डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स पर नागा वामसी ने हासिल किए हैं।

बिना काम के 1 साल घर बैठी रहीं, इंडस्ट्री में एक्टर्स मदद नहीं करते...

एक्ट्रेस और कंटेंट क्रिएटर बरखा सिंह ने डिजिटल और फिल्म इंडस्ट्री में अपनी लगातार पहुंच के साथ बड़ा नाम बनाया है। वह फेमस वेब सीरीज क्रिमिनल जस्टिस 4 में पंकज त्रिपाठी के साथ लोगों का दिल जीत रही हैं। हालांकि, इंडस्ट्री के कई एक्टर्स की तरह, बरखा भी परेशान करने वाले अनुभवों का शिकार हुई हैं, जिनमें से एक कास्टिंग काउच से जुड़ा था, जो चौंकाने वाला था। इसके साथ ही, एक्ट्रेस ने नवभारत टाइम्स ऑनलाइन के साथ अपने करियर की जर्नी भी शेयर की है। बरखा सिंह ने एक घटना के बारे में बताया जिसमें एक दिन उनके इनबॉक्स में एक ईमेल आया था। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि उन्हें कभी भी व्यक्तिगत रूप से ऐसे ऑफर्स का सामना नहीं करना पड़ा, फिर आगे कहा कि उन्हें एक बार एक साउथ फिल्म में रोल ऑफर करने के लिए एक ईमेल मिला था, जिसमें 'समझौता' करने की मांग की गई थी, लेकिन किसी का नाम नहीं बताया गया था।

बरखा सिंह के साथ कास्टिंग काउच

बरखा ने कहा, किसी ने इसे मेरे ईमेल में डाल दिया। मुझे लगता है कि यह साउथ फिल्म इंडस्ट्री के लिए था, और मेरे पास सबूत है, जहां उसने कहा था, इतने सारे शूटिंग के दिनों की जरूरत है और जरूरी चीजें कम से कम 36 होनी चाहिए, समझौता करना जरूरी है। आप इसे लिखित में दे रहे हैं, इसका मतलब है कि आप इससे बहुत सहमत हैं। नाम नहीं डाला कि किसके साथ समझौता किया जाएगा।

घर में एक्टिंग से कोई नाता नहीं

इसी के साथ बरखा ने करियर के बारे में बात करते हुए बताया कि उनके घर में एक्टिंग से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं है। कोई भी इस बैकग्राउंड से नहीं आता है। इसी इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने ये भी कहा कि इंडस्ट्री में भले आपके दोस्त हों लेकिन वो आगे बढ़ने में कुछ खास मदद नहीं करते।

इंडस्ट्री में लोग नहीं करते मदद

उन्होंने कहा, गजराव राव से मैंने पूछा तो उन्होंने बताया था कि कहां जाकर ऑडिशन देना है लेकिन फैक्ट ये है कि एक्टर्स आपकी मदद नहीं करते हैं। ऑप कॉम्पटिशन में नहीं भी हो तो वो आपको आगे बढ़ने में मदद नहीं करते हैं। कुछ कुछ कर भी देते हैं लेकिन ज्यादा लोग हवा में बोलते हैं बस, मदद नहीं करते। एक साल घर बैठकर मैं इतजार करती रही। फिर धीरे-धीरे चीजें समझ आईं।

बरखा सिंह के व्लॉग्स

अभिनय के अलावा, बरखा एक फेमस ट्रैवल व्लॉगर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी हैं, जिन्होंने कैडबरी, अमेजन और कोका-कोला जैसे ब्रांडों के साथ सहयोग किया है। उन्होंने माधुरी दीक्षित की फिल्म मजा मा में भी अहम रोल किया था, जिसमें गजराज राव, ऋत्विक भौमिक, सृष्टि श्रीवास्तव और कई कलाकार थे।

वॉर 2 को लेकर उत्साहित हैं कियारा आडवाणी

ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी की फिल्म 'वॉर 2' लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म को लेकर दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और पहली बार जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन का पर्दे पर क्लैश देखने के लिए दर्शक खासा उत्साहित हैं। हाल ही में फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। जिसके बाद अभिनेता ऋतिक रोशन ने फिल्म की शूटिंग पूरे होने पर फिल्म के अपने अनुभवों को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया था। इसमें उन्होंने अपने को-एक्टर्स जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी का भी जिक्र किया था। अब अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने भी फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया है और फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर एक पोस्ट शेयर किया है। कियारा ने अपने एक्स अकाउंट पर ऋतिक की पोस्ट को ही री-शेयर किया है। इसके साथ ही कियारा ने लिखा, उत्साह दोनों का एक जैसा ही है ऋतिक। आपके साथ स्क्रीन शेयर करना एक यादगार अनुभव रहा, जिसे कभी भूला नहीं जा सकता। आदी सर, तारक और हमारी शानदार टीम ने जो अद्भुत तैयार किया है, उसे लोगों के सामने लाने का इंतजार नहीं हो रहा। अपनी इस पोस्ट में कियारा ने ऋतिक और जूनियर एनटीआर को मेंशन भी किया है।

इससे पहले ऋतिक रोशन ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर केक काटते हुए एक फोटो शेयर की थी। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करते हुए एक खास नोट भी लिखा था। इसमें उन्होंने फिल्म के अपने को-एक्टर्स कियारा, जूनियर एनटीआर को भी मेंशन करते हुए उनके साथ काम करने के अपने अनुभवों को जाहिर किया था।

14 अगस्त को रिलीज होगी 'वॉर 2'

'वॉर 2' यशराज के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है और 2019 में आई फिल्म 'वॉर' का सीक्वल है। 'वॉर 2' में ऋतिक ने पहली फिल्म की तरह ही रॉ एजेंट कबीर की भूमिका निभाई है। फिल्म में जूनियर एनटीआर निगेटिव किरदार में नजर आएंगे, जबकि कियारा फीमेल लीड में दिखाई देंगी। अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

एक बार फिर साथ काम करेंगे इमरान हाशमी और हिमेश रेशमिया

हिमेश रेशमिया और इमरान हाशमी की जोड़ी ने बॉलीवुड को कई बेहतरीन गाने और थ्रिलर फिल्में दीं हैं। अब यह जोड़ी एक बार फिर गनमास्टर जी9 में साथ में काम करने को तैयार हैं। फिल्म के निर्माताओं ने बुधवार को इसका टीजर रिलीज किया है। इस खबर से फैंस उत्साहित हैं। फिल्म निर्माता दीपक मुकुट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक रहस्यमई हाथ एक दूध भरी बाल्टी से निकलता है। इस दौरान इमरान हाशमी कहते हैं। मुझसे मचमच किया तो चलेगा। गलती से परिवार को छुआ तो याद रखना। धंधे से दूध वाला हूं, बंदा बारूद वाला हूं।

2026 में रिलीज होगी फिल्म

इस वीडियो के कैप्शन में लिखा है दूध से बारूद तक, सब्जी से गुंडा तक, गोली से पीटने तक, गनमास्टर जी9 तबाही के लिए तैयार है। टीम घातक है। दीपक मुकुट, नर मुकुट, सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट, इमरान हाशमी, आदित्य दत्त और हिमेश रेशमिया को वापस लाकर खुश है। इनके साथ जेनेलिया देशमुख और अपारशक्ति खुराना हैं। गनमास्टर जी9 सिनेमाघरों में 2026 को आएगी।

इमरान हाशमी और हिमेश ने साथ में किया काम

आपको बता दें कि हिमेश रेशमिया ने इमरान हाशमी की फिल्म आशिक बनाया आपने और अक्सर में काम किया है। हिमेश ने इमरान हाशमी के कई गानों को आवाज दी है जो हिट रहे हैं। इसमें झलक दिखला जा, आशिक बनाया आपने और आपकी कशिश जैसे गाने शामिल हैं।

18 साल बाद साथ काम करेंगे

2019 में रिलीज हुई इमरान की फिल्म द बॉडी में हिमेश का एक गाना था। वहीं 2007 में उन्होंने इमरान की फिल्म गुड बॉय बैड बॉय में बतौर म्यूजिक डायरेक्टर काम किया था। कह सकते हैं कि अब वे 18 साल बाद इमरान हाशमी की किसी फिल्म को म्यूजिक देंगे।

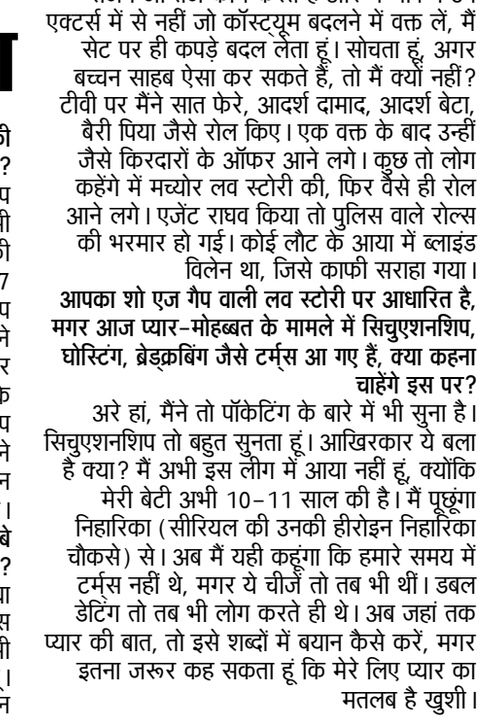

एक्टिंग का पेशा काफी डिमांडिंग है, आपको इंडस्ट्री के हिसाब से काम करना पड़ेगा

शरद केलकर उन फेमस एक्टर्स में से हैं, जो फिल्मों, ओटीटी और छोटे पर्दे तीनों पर पसंद किए गए हैं। बाहुबली में प्रभास की आवाज बनकर शोहरत बटोरने वाले शरद ने एक बार फिर छोटे पर्दे का रुख किया है, नए सीरियल तुम से तुम तक से। उनसे एक खास बातचीत।

एक समय था, जब आप हकलाया करते थे और वहां से लेकर आवाज की दुनिया का इतना बड़ा बनने का सफर कैसा था? इंडस्ट्री में आवाज के मामले में आप और अमिताभ बच्चन को ही मानक माना जाता है।

शाहरुख खान की फिल्म का डायलॉग है न कि किसी चीज को आप शिद्दत से चाहो, तो सारी कायनात उसमें लग जाती है, मगर मेरे लिए तो ये मरता क्या न करता वाली हालत थी। मैं तो पढ़ाई - लिखाई करके अच्छी-खासी नौकरी कर रहा था कि मुझे एक्टिंग के कीड़े ने काटा और मैं यहां आ गया, पर जब मैं यहां आया, तो मेरी उम्र अच्छी-खासी 28 साल की थी। मैं अपना ग्लोरी पीरियड खो चुका था। मुझे किसी भी हाल में इस क्षेत्र में पैर जमाने थे। चूंकि मैं दिखता अच्छा था, तो मुझे काम तो मिलता था, मगर मेरा काफी मजाक उड़ता था।

एक्ट्रेस कीर्ति से आपकी शादी को 20 साल हो गए, मगर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री जिसे काजल की कोठरी कहा जाता है, उसमें आप दाग से बचे रहे, कभी आपका नाम किसी से नहीं जुड़ा?

ये जो नजरिया है न, ये आज की तारीख में पूरी तरह से गलत है। आज की डेट में सबसे सफेद कोठरी यही है। मुझे अगर किसी अच्छे दोस्त के साथ कॉफी पीने भी जाना हो, तो दस बार सोचना पड़ता है कि वहां मुझे देखकर पैप्स या मीडिया क्या दिखा दे या छाप दे पता नहीं। तो आज हमारी इंडस्ट्री में आप ऐसा-वैसा कुछ नहीं कर सकते। आज जो दूसरी इंडस्ट्री में हो रहा है, उसका पांच पर्सेंट भी हमारे यहां नहीं हो रहा। आप चाहे मेडिकल जगत देखें या कॉर्पोरेट वर्ल्ड, रिश्तों का करप्शन वहां हमारी इंडस्ट्री की तुलना में कहीं ज्यादा है। मेरे बहुत दोस्त हैं, जो बताते रहते हैं कि उनके कार्यक्षेत्र में क्या-क्या हो रहा है? असल में आज लोग बहुत ही फ्रस्ट्रेटेड हैं। काम के घंटे बढ़ गए हैं। तनाव बहुत ज्यादा है। इस स्ट्रेसफुल लाइफ में डिवोर्स बढ़ रहे हैं। एक्स्ट्रामेरिटल अफेयर्स हो रहे हैं, मर्डर्स तक हो रहे हैं।

आप एक ऐसे अदाकार हैं, जो एक ही समय में फिल्म, ओटीटी और टीवी पर काम कर रहे हैं, आप 8 घंटे की शिफ्ट के बारे में क्या सोचते हैं?

आप जिस फील्ड में हैं, उसे आपने चुना है, तो आप हर जॉब के प्रोज और कॉन्स जानते हैं। आपसे किसी ने जबरदस्ती नहीं की है। हमारा पेशा काफी डिमांडिंग है, तो आपको टाइम देना पड़ेगा कि ये 7 दिन आ रहा है या 5 दिन। आपको पता है कि आप मुंबई जैसे शहर में हैं, जहां आपको शूटिंग में पहुंचने के लिए ट्रैफिक का सामना करना पड़ता है और टाइम लग जाता है। आपको अपनी इंडस्ट्री के हिसाब-किताब से काम करना पड़ेगा। एक बार आप किसी मुकाम पर पहुंच जाएं, तो फिर आप अपने काम का पैमाना सेट कर सकते हैं। मगर ये प्रोफेशन है डिमांडिंग इसमें आप शिकायत कैसे कर सकते हैं।

फिल्मों और ओटीटी पर सक्रिय रहते हुए आपने लंबे समय बाद टीवी पर वापसी की। कोई खास वजह?

मैं टीवी से गायब नहीं था। पिछला शो बैरी पिया (2010) था। मैं कमिटमेंट को लेकर बहुत सीरियस हूं और ओवर कमिटमेंट से बचता हूं। तभी किसी प्रोजेक्ट के लिए हां कहता हूं, जब उसे निभा सकूं। बैरी पिया के बाद टीवी के कई ऑफर थे, लेकिन फिल्में भी करनी थीं, इसलिए डेट्स को लेकर चुनना पड़ा। राजन शाही ने जब कुछ तो लोग कहेंगे ऑफर किया, तो वो हफ्ते में चार दिन आने वाला शो था। राजन जी तेज काम करते हैं और मैं भी। मैं उन एक्टर्स में से नहीं जो कॉस्ट्यूम बदलने में वक्त लें, मैं सेट पर ही कपड़े बदल लेता हूं। सोचता हूं, अगर बच्चन साहब ऐसा कर सकते हैं, तो मैं क्यों नहीं? टीवी पर मैंने सात फेरे, आदर्श दामाद, आदर्श बेटा, बैरी पिया जैसे रोल किए। एक वक्त के बाद उन्हीं जैसे किरदारों के ऑफर आने लगे। कुछ तो लोग कहेंगे में मच्योर लव स्टोरी की, फिर वैसे ही रोल आने लगे। एजेंट राघव किया तो पुलिस वाले रोल्स की भरमार हो गई। कोई लौट के आया में ब्लाइंड विलेन था, जिसे काफी सराहा गया।

आपका शो एज गैप वाली लव स्टोरी पर आधारित है, मगर आज प्यार-मोहब्बत के मामले में सिचुएशनशिप, घोस्टिंग, ब्रेड्क्रबिंग जैसे टर्म्स आ गए हैं, क्या कहना चाहेंगे इस पर?

अरे हां, मैंने तो पॉकेटिंग के बारे में भी सुना है। सिचुएशनशिप तो बहुत सुनता हूं। आखिरकार ये बला है क्या? मैं अभी इस लीग में आया नहीं हूं, क्योंकि मेरी बेटी अभी 10-11 साल की है। मैं पूछूंगा निहारिका (सीरियल की उनकी हीरोइन निहारिका चौकसे) से। अब मैं यही कहूंगा कि हमारे समय में टर्म्स नहीं थे, मगर ये चीजें तो तब भी थीं। डबल डेटिंग तो तब भी लोग करते ही थे। अब जहां तक प्यार की बात, तो इसे शब्दों में बयान कैसे करें, मगर इतना जरूर कह सकता हूं कि मेरे लिए प्यार का मतलब है खुशी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।